www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 66 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
27 मई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: 2 ₹
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:14
सूर्यास्त: 06:53
अधिकतम: 42°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07

विशेष समाचार | क्या एआई मानवता के... >> पेज 04 | एक्सप्रेस-वे पर एसी बस ... >> पेज 06 | जुर्म की दुनिया के दलदल में ...

लखनऊ में योगी बोले- मैंने सीसीटीवी देखा, मन हुआ कि फोटो चौराहे पर लगवाऊं

‘2.5 करोड़ की कार में आए 45 रुपये का गमला चुराया’

400 करोड़ की परियोजनाओं का सीएम ने लोकार्पण किया।

शिलान्यास

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ, प्रयागराज। ‘हम गमला लगाते हैं, तो कोई कार से आता है और गमला उठाकर ले जाता है। जितना कार का तेल लग रहा है, उतने में नया गमला ले सकते हो। ये चोरी का नया मॉडल है। अब हर जगह सीसीटीवी लगे हैं, हम उससे देखते रहते हैं। पता लगता है कि ढाई करोड़ की कार से 45 रुपए के गमले चुरा रहे हैं। 45 रुपए के गमले खरीदकर आप घर में लगा सकते थे। आपका सम्मान भी रहता और शहर भी अच्छा दिखता। एक बार तो मेरे मन में आया था कि गमला चोरी करने वालों की फोटो चौराहे पर लगवाऊं, क्योंकि जो पैसा हम खर्च कर रहे हैं, वह जनता का है। यह न तो हमारा है, न वित्त मंत्री खन्नाजी का और न ही ऊर्जा मंत्री शर्माजी का।’

ये बातें सीएम योगी ने मंगलवार को लखनऊ में कहीं। सीएम योगी

पहले महिला सुरक्षा के लिए खतरा सपाई ही बने हुए थे

सीएम योगी ने कहा- महिला सुरक्षा के लिए खतरा पहले सपा के लोग ही बने हुए थे। शासन की योजनाओं का लाभ पहले सिर्फ एक परिवार को मिलता था। अब यह देश, प्रदेश, लखनऊ की जनता और गरीबों के लिए है। लखनऊ प्रदेश का सबसे बड़ा महानगर बन गया है। सबसे बड़ा नगर निगम भी है। हम उस नकारात्मक राजनीति को जवाब दे रहे हैं, जो सिर्फ सकारात्मक काम पर उंगली उठाती है। इसे आपको भी देखना चाहिए। आज हमारे शहर में ईज ऑफ लिविंग है।

भाजपा मेयर सुषमा खर्कवाल के कार्यकाल के 3 साल पूरे होने पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 413 करोड़ की परियोजनाएं लॉन्च कीं।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे हैं। नगर निगम में आयोजित “मेयर के तीन साल बेमिसाल” कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि 9 साल पहले प्रयागराज की स्थिति खराब थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

> सीएम योगी ने पिछले तीन सालों में हुए विकास कार्यों पर आधारित विशेष पुस्तिका का विमोचन किया। साथ ही 400 करोड़ की परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया। इसके आलवा उन्होंने सफाईकर्मियों को किट दीं।

योगी बोले- हमने कुंभ को एक नई पहचान दी

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के 45 दिवसीय आयोजन में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। देश-विदेश से करोड़ों लोग इस महापर्व में शामिल हुए। एक समय ऐसा था जब लोगों के मन में कुंभ को लेकर अनेक आशंकाएं थीं और बड़ी संख्या में लोग आने से हिचकिचाते थे। लेकिन वर्ष 2019 में जब प्रदेश सरकार को प्रयागराज कुंभ के आयोजन का अवसर मिला, तब प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और प्रयासों से इस आयोजन को नई पहचान मिली।

योगी ने कहा- 2017 से पहले प्रयागराज में गुंडागर्दी थी

योगी ने कहा कि नौ साल पहले प्रयागराज की स्थिति आज की तुलना में काफी अलग थी। पहले गुंडागर्दी थी, अराजकता का माहौल था। अराजकतत्वों तथा भू-माफियाओं का प्रभाव दिखाई देता था। व्यापारियों और आम नागरिकों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता था। हमारी सरकार आने के बाद प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई के कारण आज प्रयागराज में कानून-व्यवस्था की स्थिति मजबूत हुई है। अपराध और माफिया गतिविधियों पर नियंत्रण स्थापित किया गया है, जिससे नागरिकों और व्यापारियों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है।

> योगी ने कहा- पिछली सरकार के पाप के गड्ढों को भरने का हमने काम किया। उनके भ्रष्टाचार के कूड़ेदान को भरा। इसका परिणाम है कि लखनऊ नगर को स्वच्छता रैंकिंग में तीसरा नंबर मिला है। अब हमें लखनऊ को पहले नंबर पर लाना है। हर नागरिक की जिम्मेदारी होती है कि घर का कूड़ा कूड़ेदान में ही फेंके और सरकारी संपत्ति को नुकसान न पहुंचाए।

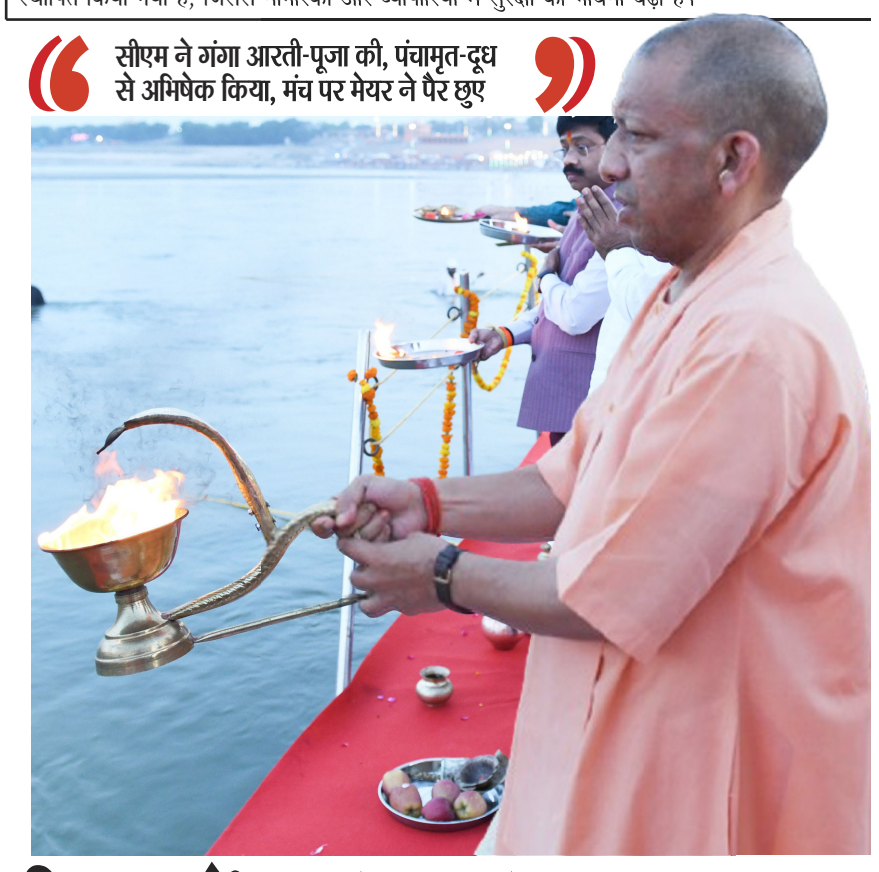

सीएम ने गंगा आरती-पूजा की, पंचामृत-दूध से अभिषेक किया, मंच पर मेयर ने पैर छुए

माफिया ने रास्ते बदले चंबल में खनन नहीं रुका : एससी

एमपी सरकार को फटकार, कहा अवैध खनन जारी

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरैना। सुप्रीम कोर्ट ने मुरैना राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य (NCGS) में जारी अवैध रेत खनन को लेकर सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट की सख्ती के बाद चंबल में अवैध रेत खनन करने वालों ने अपने रास्ते बदल लिए हैं, लेकिन खनन अब भी नहीं रुका।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मंगलवार को मध्यप्रदेश सरकार से पूछा कि क्या उसने यह मीडिया रिपोर्ट देखी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के पहले के सख्त आदेशों के बावजूद चंबल क्षेत्र में

कोर्ट ने कहा- सख्त निर्देश कर सकते हैं जारी

अवैध खनन जारी है और बिना नंबर वाले वाहन खुलेआम रेत परिवहन कर रहे हैं। अदालत ने मध्यप्रदेश सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर मीडिया रिपोर्ट में बिना नंबर वाले वाहनों से रेत ढुलाई की बात सही पाई गई तो इसका मतलब होगा कि सरकार ने कोर्ट को गलत जानकारी दी।

>> (शेष पेज 06 पर)

जनसंख्या में जहां अचानक बदलाव आया, वहां की जांच होगी : शाह

गृह मंत्री शाह बोले घुसपैठ देश के लिए बड़ी चुनौती

गठन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश की आबादी में हो रहे असामान्य बदलाव की स्टडी के हाई-लेवल कमिटी का गठन किया है। जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (रिटा) को इसका अध्यक्ष बनाया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने X पोस्ट में कहा- यह कमिटी अवैध घुसपैठ और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या में बदलाव का आकलन करेगी। साथ ही धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य बदलाव के पैटर्न की स्टडी करके समाधान भी पेश

केंद्र सरकार ने कमेटी बनाई

करेगी। उन्होंने लिखा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से होने वाला असामान्य जनसंख्या बदलाव किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को हाई-लेवल कमिटी की घोषणा की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

पंजाब निकाय चुनाव में 61.5% वोटिंग

मोहाली/पठानकोट/लुधियाना/जालंधर। पंजाब में 8 नगर निगमों, 75 नगर कौंसिल और 20 नगर पंचायतों के लिए मंगलवार को वोटिंग हुई। सुबह 8 बजे शुरू हुई वोटिंग शाम 5 बजे तक चली। राज्य चुनाव आयोग के मुताबिक 5 बजे तक 61.5%% वोटिंग हुई।

विरोध | बवाल

मुंबई की सोसायटी में बकरे लाने पर विवाद से तनाव

मुंबई। मुंबई के मीरा रोड स्थित पूनम क्लस्टर सोसायटी के सृष्टि कॉम्प्लेक्स में ईद-उल-अजहा पर कुर्बानी के लिए लाए गए बकरों को मंगलवार को कैंपस से बाहर ले जाया गया। यहां बकरों की कुर्बानी के लिए रविवार को बनाया गया शेड हिंदू पक्ष की शिकायत पर सोमवार को नगर निगम ने हटा दिया था। हिंदू पक्ष ने इसका विरोध किया। दोपहर को मामला तब और बिगड़ गया जब विरोध कर रहे लोग सोसायटी के गेट पर जमा हो गए, नारे लगाए, हनुमान चालीसा पढ़ी और कॉम्प्लेक्स के अंदर एक सुअर लाने की कोशिश की। विवाद बढ़कर मारपीट तक पहुंच गया।

पन्ना में खुदाई के दौरान कुआं धंसा

पन्ना। पन्ना जिले के एक खेत में कुएं की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई। इसमें दबकर 5 मजदूरों की मौत हो गई। इनके नाम आशीष यादव, राजकुमार यादव, रामपाल यादव, चुन्नू यादव और चुनवाद पाल बताए गए हैं। कुएं का काम विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना (वीबी जी राम जी) के तहत किया जा रहा था।

कर्नाटक सीएम बदलने की खबरें केवल अटकलें : वेणुगोपाल

बैठक में राज्यसभा-एमएलसी चुनाव पर चर्चा हुई

दावा

सिद्धारमैया-शिवकुमार राहुल-खड़गे से मिले

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कर्नाटक के सीएम बदलने की अटकलों के बीच मंगलवार को राज्य के सीएम सिद्धारमैया और डीप्टी सीएम डीके शिवकुमार की दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी संग बैठक हुई।

बैठक के बाद पार्टी के संगठन महासचिव और लोकसभा सांसद वेणुगोपाल ने कहा- जो अटकलें लगाई जा रही हैं, वे सिर्फ अटकलें हैं, उसमें कोई सच्चाई नहीं है। बैठक में राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद या नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। कर्नाटक की राज्यसभा और विधान परिषद सीटों के उम्मीदवारों के नाम अन्य राज्यों की सीटों के साथ घोषित किए जाएंगे। >> (शेष पेज 06 पर)

शिवकुमार ने कहा था- दिल्ली जाना जरूरी होता है

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और डीप्टी सीएम डीके शिवकुमार सोमवार रात को दिल्ली पहुंचे थे। सिद्धारमैया के साथ कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर आए थे। दिल्ली पहुंचने के बाद सिद्धारमैया ने कहा- हाईकमान ने बुलाया है, इसलिए आया हूं। बैठक का एजेंडा क्या है, इसकी जानकारी मुझे नहीं है। वेणुगोपाल ने फोन कर समय और तारीख बताई थी।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर फर्जी एनकाउंटर कराए गए

‘भाजपा सरकार में पीडीए वर्ग पर अत्याचार चरम पर’

आरोप

अरमान

तमसा संकेत, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग के साथ भेदभाव, अन्याय और अत्याचार करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने भाजपा सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में पीडीए वर्ग पर हुए कथित अत्याचारों के आंकड़ों पर आधारित एक पुस्तिका जारी की। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में बड़े पैमाने पर फर्जी एनकाउंटर कराए गए हैं और इनमें 85 प्रतिशत पीडीए वर्ग के लोग मारे गए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार फर्जी एनकाउंटर के जरिए राजनीतिक साजिश करती है और जाति-धर्म देखकर कार्रवाई कराती है, जिससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ता है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में एनकाउंटर वर्चस्व कायम करने और जनता में भय पैदा करने के लिए किए जा रहे हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

> लोकतंत्र में जनता अंततः ऐसी सरकारों को चुनाव के जरिए जवाब देती है। अखिलेश यादव ने कहा कि इतिहास गवाह है कि अत्याचार करने वाली सरकारें ज्यादा समय तक नहीं टिकतीं। -अखिलेश यादव

‘फर्जी एनकाउंटर नाकाम सरकार की पहचान’

सपा अध्यक्ष ने कहा कि जब भाजपा सरकार डगमगाने लगती है तो वह फर्जी एनकाउंटर का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि ऐसे एनकाउंटर संविधान और मानवाधिकारों के खिलाफ हैं तथा सरकार भ्रष्टाचार छिपाने के लिए इनका इस्तेमाल करती है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में कस्टोडियल डेथ भी बढ़ी हैं और यह सरकार की नाकामी का प्रतीक है।

खुलासा : दूध बेचने निकले अजय की हत्या में रिश्तेदार ही निकले शामिल, चार आरोपी गिरफ्तार

24 घंटे में खुला रिश्तों के पीछे छिपा कत्ल का राज

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । महरुआ थाना क्षेत्र में हुए चर्चित दूध विक्रेता अजय हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। जिस हत्या को शुरुआत में लोग सड़क हादसा मान रहे थे, उसकी परतें खुलीं तो सामने रिश्तों के भीतर छिपी साजिश की कहानी निकलकर आई। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में हत्या की वजह मामूली विवाद और बदले की भावना बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों में दीवान, माखन कुमार, अजय कुमार और अरुण कुमार शामिल हैं। पुलिस के अनुसार चारों ने वारदात में शामिल होने और हत्या की योजना बनाने की बात स्वीकार कर ली है। जांच में खुलासा हुआ कि साजिश में सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि कई लोग शामिल थे। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि इसमें मृतक के ही एक करीबी रिश्तेदार की भूमिका भी सामने आई।

>> (शेष पेज 06 पर)

ब्लाइंड मर्डर से शुरू हुई जांच फिर खुलने लगे रिश्तों के दरवाजे

सोमवार सुबह सेहरा जलालपुर गांव के पास खड़ंजे के किनारे एक शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। शव की पहचान 42 वर्षीय अजय कुमार के रूप में हुई, जो रोज दूध बेचने का काम करते थे। शरीर पर सिर में गहरे चोट के निशान मिले थे। घटनास्थल देखकर साफ हो गया कि मामला सड़क हादसे का नहीं, बल्कि हत्या का है। गांव में खबर फैलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने तुरंत एसओजी, स्वाट, सर्विलांस और थाना महरुआ की संयुक्त टीम को लगाया। जांच का फोकस सीधा था—अजय के आखिरी संपर्क और उसका रोज का रास्ता। मोबाइल डेटा खंगाला गया, लोकेशन ट्रैक की गई, और गांव के लोगों से लगातार पूछताछ हुई। धीरे-धीरे जांच उस दिशा में बढ़ी, जहां शक रिश्तों के भीतर छिपा था।

एक डांट और बदल गया खून में बदले का रास्ता

जांच में सामने आया कि 23 मई को अजय ने अपने साढ़ू के लड़के को भतीजे से मिलने पर डांट दिया था। गांव की नजर में यह सामान्य बात थी, लेकिन आरोपी के लिए यह अपमान बन गई। यहीं से बदले की स्क्रिप्ट लिखी जाने लगी। इसी अपमान को आधार बनाकर साजिश तैयार की गई। पहले अजय की दिनचर्या पर नजर रखी गई, फिर रास्ते और समय को समझा गया। इसके बाद हत्या के लिए वही सुबह चुनी गई, जब अजय अकेला निकलता था और रास्ता सुनसान रहता था।

राम रहीम फिर जेल से बाहर 9 साल में 16वीं बार पैरोल

रोहतक जेल से 8 लग्जरी गाड़ियां लेकर निकलीं

राहत

सिरसा । डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम एक बार फिर जेल से बाहर आ गया है। वह 30 दिन की पैरोल पर मंगलवार (26 मई) सुबह 6.30 बजे रोहतक की सुनारिया जेल से निकला और करीब सवा 9 बजे सिरसा डेरे पहुंच गया। उसके काफिले में टोयोटा लैंड क्रूजर, फॉर्च्यूनर लिजेंडर जैसी 8 महंगी गाड़ियां शामिल थीं।

साध्वियों के यौन उत्पीड़न में उम्रकैद की सजा काट रहे राम रहीम की ये 16वीं पैरोल या फरलो है। इस साल के पहले 5 महीनों में ही वह दूसरी बार जेल से बाहर आया है। जनवरी-2026 में उसे 40 दिन की पैरोल मिली थी और वह फरवरी में

5 जनवरी को मिली थी 40 दिन की पैरोल

ही वापस जेल लौटा था। वर्ष 2017 में सजा होने के बाद डेरा प्रमुख को इससे पहले 16 बार पैरोल और फरलो मिल चुकी।

रोहतक जेल प्रशासन ने एहतियात बरतते हुए राम रहीम को सुबह जल्दी जेल से बाहर भेजा, ताकि भीड़ एकत्रित न हो पाए।

>> (शेष पेज 06 पर)

C M Y K

बाराबंकी में 100 स्पीड में हाईवे पर ट्रेलर में घुसी इनोवा, 3 की हालत गंभीर

कैंची धाम जा रहे 4 दोस्तों की मौत

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में 100 की स्पीड में इनोवा कार चलते ट्रेलर में पीछे से घुस गई। हादसे में सरकार डॉक्टर समेत चार दोस्तों की मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर है। इनोवा सवार कैंची धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसा मंगलवार तड़के करीब 3 बजे हैदरगढ़ इलाके में लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर भिखरा गांव के पास हुआ।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि इनोवा चालक को झपकी आने से हादसा हुआ। पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को कार से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत

हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है।

पोस्टमॉर्टम हाउस पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इनोवा कार पीछे से ट्रेलर में घुस गई, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान चंदौली के राहुल कुमार (36), गाजीपुर के राहुल सिंह (35), बलिया के सत्यम सिंह (38) और सुल्तानपुर के सूरज मिश्रा (31) के रूप में हुई है। सभी लोग सत्यम के घर वाराणसी में इकट्ठा हुए थे। दर्शन के लिए कैंची धाम जा रहे थे। मिर्जापुर के पंकज (34), चंदन (35) और बलिया निवासी प्रशांत घायल हैं। तीनों को लखनऊ के केजीएमयू रेफर किया गया है। पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे प्रिंस ने बताया- मृतक सत्यम मूल रूप से बलिया के रहने वाले थे। वाराणसी के पांडेयपुर में अन्नपूर्णा हॉस्टल चलाते थे। उसी बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर परिवार के साथ रहते थे। पत्नी अलंकृता और दो बच्चे हैं। तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। पिता तेजप्रताप सिंह की काफी पहले मौत हो चुकी है। परिवार के मुख्य कमाने वाले थे। वह एक सप्ताह पहले ही बलिया आए थे। मृतक राहुल के परिजन पवन कुमार ने बताया कि राहुल चंदौली जिले के इर्स्टन बाजार के रहने वाले थे। पिता संजय कुमार की मौत हो चुकी है। पिछले 10 साल से जिला अस्पताल के एसएमसी वार्ड में स्वास्थ्यकर्मी के रूप में तैनात थे। घर में पत्नी पूजा (28), चार साल की बेटी और दो साल का बेटा है। गाजीपुर के सैदपुर थाना क्षेत्र के गैबीपुर गांव निवासी राहुल उर्फ टिल्लू दो भाइयों में छोटे थे। पिता अजय सिंह की मौत हो चुकी है। घर पर खेती-किसानी का काम करते थे। औड़िहार बाजार में स्टेशन के सामने स्थित परिवार के कटरे की देखरेख भी करते थे।

हैदरगढ़ में भिखरा गांव के पास हादसा

हादसा लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर हैदरगढ़ क्षेत्र में भिखरा गांव के पास हुआ। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। चीख-पुकार के बीच पुलिस को सूचना दी गई। लोगों ने कार में फंसे युवकों को बाहर निकालना शुरू किया। एम्बुलेंस की मदद से सभी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर्स ने 4 को मृत घोषित कर दिया। बाकियों को लखनऊ रेफर कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचाया। घायलों की मदद से मृतकों के परिजनों को सूचना दी। पोस्टमॉर्टम हाउसे पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजन जमीन बैठकर बिलखते नजर आए।

अयोध्या में नौतपा शुरू होते ही बिगड़ी बिजली व्यवस्था

ट्रांसफार्मर जला, रातभर कटौती से परेशान रहे ग्रामीण

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या के ग्रामीण इलाकों में नौतपा शुरू होते ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ा गई है। लगातार बिजली कटौती, ट्रांसफार्मरों में खराबी और ओवर-लोडिंग की समस्या से लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। भीषण गर्मी और उमस के बीच ग्रामीणों की रातें जागकर कट रही हैं। कई इलाकों में घंटों बिजली गुल रहने से लोग परेशान हैं। विद्युत विभाग ने ओवरलोडिंग से ट्रांसफार्मरों को बचाने के लिए फ्यूज बॉक्स लगाए हैं, ताकि ट्रांसफार्मर फुंकने से बच सकें। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि इसकी वजह से कई क्षेत्रों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। बिजली आने-जाने का सिलसिला पूरी रात जारी रहता है। मिल्कीपुर डिवीजन में नौतपा की शुरुआत के साथ ही ट्रांसफार्मरों में खराबी की घटनाएं बढ़ गई हैं। मंगलवार शाम उपखंड कार्यालय मिल्कीपुर परिसर में लगा 400 केवीए का ट्रांसफार्मर अचानक धधकने लगा। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। उपखंड अधिकारी के मुताबिक, अत्यधिक तापमान के कारण ट्रांसफार्मर ज्यादा गर्म हो गया था, जिससे आग लगने की आशंका है। इस ट्रांसफार्मर से इनायत नगर तहसील क्षेत्र की बिजली आपूर्ति होती है। ट्रांसफार्मर खराब होने से करीब दो हजार की आबादी प्रभावित हुई और पूरा इलाका रातभर अंधेरे में डूबा रहा।

फास्ट न्यूज

रायबरेली में आंगनबाड़ी केंद्र बना गोबर केंद्र

रायबरेली। रायबरेली जिले के डलमऊ तहसील अंतर्गत जगतपुर बरदरा गांव में एक आंगनबाड़ी केंद्र पिछले तीन साल से अनुपयोगी पड़ा है। करीब 12 लाख रुपये की लागत से बना यह केंद्र ग्रामीणों द्वारा गोबर के उपले, सूखी लकड़ियां और गेहूं सुखाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पूरे मामले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है।

सपा का बिजली कटौती पर विरोध प्रदर्शन

रायबरेली। रायबरेली में समाजवादी पार्टी (सपा) ने बिजली की भीषण कटौती और आंधी-तूफान से टूटे खंभों जैसी जनसमस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बछरावां विधानसभा क्षेत्र के महाराजगंज तहसील मुख्यालय स्थित अधिशासी अभियंता विद्युत कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर दस सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

यह प्रदर्शन सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला अध्यक्ष इंजीनियर वीरेंद्र यादव और बछरावां के क्षेत्रीय विधायक श्यामसुंदर भारती ने किया।

डंपर की टक्कर से महिला की मौत, नाबालिग घायल

रायबरेली। रायबरेली जिले में एक अनियंत्रित डंपर ने सड़क पर चल रही महिला और एक नाबालिग लड़की को टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना रायबरेली-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंदापुर कोतवाली क्षेत्र में सुबह करीब 6:05 बजे हुई।

अयोध्या में सेल्फी लेते समय सरयू में डूबा युवक

जेटी से फिसलने से हुई घटना, मौसेरे भाई के साथ घूमने आया था

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या के सरयू तट पर मंगलवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। पुराने सरयू पुल के नीचे जेटी पर खड़े होकर सेल्फी ले रहा एक युवक अचानक संतुलन बिगड़ने से नदी में गिर गया और तेज धारा में बह गया। घटना रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। जल पुलिस के अनुसार युवक की पहचान आदर्श सिंह (20) पुत्र अप्पू सिंह निवासी झखरिया, थाना पैकोलिया, जिला बस्ती के रूप में हुई है। बताया गया कि आदर्श अपने मौसी के लड़के के साथ सरयू किनारे फोटो और वीडियो बना रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नदी की धारा में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही जल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। युवक की तलाश के लिए लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। 24 मई को भी सरयू नदी में स्नान के दौरान बड़ा हादसा होते-होते बच गया था। थाना कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में केंद्रीय जल आयोग केंद्र के सामने स्नान करते समय 6 वर्षीय बच्ची ईश्वरी गहरे पानी में चली गई थी। बच्ची को बचाने के प्रयास में उसकी मां सरोज भी तेज धारा में फंस गई थीं। मौके पर मौजूद जल पुलिस टीम ने तुरंत नदी में उतरकर मां-बेटी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस रेस्क्यू अभियान में जल पुलिस प्रभारी रूबे प्रताप मौर्य, कांस्टेबल नित्यानंद यादव और नाविक बुद्धू माझी व गणेश माझी शामिल रहे।

501 लीटर दूध से अभिषेक, गंगा दशहरा पर अयोध्या के घाटों पर भीड़

मां गंगा को 5100 साड़ियों से बनी चुनरी चढ़ाई गई

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या। यूपी में आज यानी मंगलवार को गंगा दशहरा है। वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या समेत प्रदेश में कई शहरों में घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। काशी के असी घाट पर मां गंगा को 12 राज्यों से आई 5100 साड़ियों (25,500 फीट) की चुनरी चढ़ाई गई। 501 लीटर दूध से गंगा का अभिषेक किया गया।

प्रयागराज में संगम पर हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद सूर्य को अर्घ दिया। अयोध्या के सरयू घाट पर भी श्रद्धालु दान-पुण्य कर रहे हैं। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए घाटों पर पहुंच रहे हैं। काशी में सुबह 12 बजे तक 1.50 लाख श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगा चुके हैं। प्रयागराज में 6 लाख लोग संगम में स्नान कर चुके हैं। अयोध्या में भी 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालु सरयू में डुबकी लगा चुके हैं। आज शाम काशी में विशेष गंगा आरती होगी। इसके बाद घाटों पर दीप सजाए जाएंगे। आज पूरा माहौल देव दिवाली जैसा रहेगा। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक, अधिकमास यानी पुरुषोत्तम मास में आठ साल बाद गंगा दशहरा का महापर्व मनाया जा रहा है।

गंगा दशहरा पर वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। सुबह से ही लोग गंगा नदी में डुबकी लगा रहे हैं।

प्रयागराज में गंगा दशहरा पर सुबह से संगम तट पर श्रद्धालुओं की भीड़ है। इस दौरान भक्तों ने गंगा में स्नान कर पूजन-अर्चन किया और दान दिए।

गंगा दशहरा पर वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

गंगा दशहरा पर वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर सुबह से ही गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। घाटों पर काफी संख्या में भीड़ है। अयोध्या में गंगा दशहरा पर राम दरबार का प्रथम वर्षगांठ मनाया जा रहा है। भगवान का अभिषेक के बाद आरती की गई।

यूपी में आंधी-तूफान, घरों की टंकियां उड़ीं

पेड़-पोल उखड़े, 6 की मौत, 39 जिलों में लू का भी अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर। यूपी में नौतपा का आज दूसरा दिन है। मंगलवार तड़के लखीमपुर खीरी में आंधी-तूफान आया। पेड़ और पोल उखड़ गए। घरों की टंकियां उड़ गईं। सुबह ज्यादातर जिलों में बादल छाए रहे। बीच-बीच में धूप निकलती रही। दिन चढ़ने के साथ ही गर्मी बढ़ गई। गर्म हवाओं ने जोर पकड़ लिया। आज 39 शहरों में हीटवेव का अलर्ट है। इनमें 3 शहर बांदा, चित्रकूट और प्रयागराज में रेड अलर्ट है। यानी यहां बहुत गर्म हवाएं चलेंगी। इससे पहले, सोमवार देर रात अचानक मौसम बदल गया। लखनऊ में 90 की रफ्तार से तूफान आया। बस्ती, गोरखपुर और गोंडा में भी इतनी तेज आंधी आई कि हजारों पेड़-पोल उखड़ गए।

गोंडा, लखीमुपर, बस्ती, शाहजहांपुर और सीतापुर में आंधी-बारिश से जुड़े हादसों में बच्चे समेत 6 की मौत हो गई। बदायूं, अयोध्या, उन्नाव, संभल में भी तेज आंधी के साथ बारिश हुई।

मौसम विभाग ने बताया- 28 मई से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आंधी, तूफान और आसमान में बादल छाए रहेंगे। 2-3 दिन पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होगी। तापमान में 8C-10C तक गिरावट आएगी।

पिछले 24 घंटे की बात करें तो बांदा एक बार फिर देश में सबसे गर्म शहर रहा। अधिकतम तापमान 47.6C दर्ज किया गया। महाराष्ट्र के ब्रह्मपुरी में पारा 47.6C रहा। झांसी में पारा 46C तक पहुंच गया। जालौन में 45.8C, आगरा में 45.5C और प्रयागराज में 45.4C तापमान रिकॉर्ड किया गया।

बिना किसी विक्षोभ और नौतपा के बीच बारिश कैसे?

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यूपी में पिछले कुछ दिनों से तापमान बहुत ज्यादा है। तेज गर्मी के कारण जमीन और ऊपरी हवा के तापमान में बड़ा अंतर बन गया है। इसके अलावा पूर्वी यूपी से लेकर छत्तीसगढ़ तक एक ट्रफ लाइन (कम दबाव का क्षेत्र बनाने वाली एक काल्पनिक रेखा) सक्रिय है। दक्षिण बिहार के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना है। एक मौसमी सिस्टम जम्मू-कश्मीर और उसके आसपास के इलाकों के ऊपर भी एक्टिव है। इस वजह से यूपी में मौसम बदल गया है। आंधी-तूफान और बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं।

नौतपा के 9 दिनों में तापमान 45 डिग्री के करीब पहुंच जाता है। तेज धूप, लू और हाई टेम्परेचर से थकान, डीहाइड्रेशन, चक्कर और हीट स्ट्रोक का रिस्क बढ़ जाता है।

नौतपा में गर्मी चरम पर होती है। हाई टेम्परेचर में शरीर का नेचुरल कूलिंग सिस्टम कमजोर पड़ने लगता है। जिन लोगों को पहले से कोई बीमारी है, उनके लिए यह समय और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- 28 मई को नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। दक्षिण बिहार और आसपास के क्षेत्रों में ऊंचाई पर चक्रवाती हवा की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में प्रदेश में 29 और 30 मई को आंधी, बारिश के साथ बिजली कड़क सकती है। हवा की रफ्तार 50 किमी/घंटे तक पहुंच सकती है।

वहनों की उड़ रही धूल सड़क पर शाम को चलना मुश्किल होता

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । शहरवासी पहले ही शहर के अंदर की सड़कों पर अतिक्रमण से परेशान तो हैं ही , रही बात सड़क पास से उड़ रही धूल ने शहरवासियों की और मुसीबत बढ़ा दी है। वाहन के पीछे चलने वाले बाइक सवारों को सबसे ज्यादा इस मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। इससे लोगों की सेहत पर भी असर पड़ रहा है। इसमें कोई शक नहीं हैं, सभी को ज्ञात हैं कि धूल के इंफेक्शन के चलते लोगों में सांस की तकलीफें बढ़ेगी। पटेल तिराहा से आलापुर लखनऊ जाने लगें , निकट रेट नदी पुल के पास शहर का ही क्षेत्र है , सड़क पर पड़ी धूल ने शहरवासियों की एक तरह से मुसीबत बढ़ा दी । बाहर से आई मिट्टी भी सड़क पर ही थम गई। जो अब शहर से गुजरने वाले वाहनों की पहिए से गुबार के रूप में उड़ रही है। जिससे उस सड़क पर शाम को निकला मुश्किल हो गया है। सड़क पर उड़ती धूल एक गंभीर समस्या है जो वायु प्रदूषण, खराब दृश्यता और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं (जैसे सांस की बीमारी और आंखों में जलन) का कारण बनती , साधारणतया धूल से होने वाले सांस संबंधी बीमारी जैसे धूल की एलर्जी से अस्थमा के मरीजों को ज्यादा परेशानी होती है व अन्य दमा के अलावा सर्दी जुकाम के भी मरीज प्रभावित होते है। दृश्यता में कमी ,उड़ती धूल के कारण आगे का रास्ता स्पष्ट दिखाई नहीं देता, जिससे एक्सीडेंट की संभावना बढ़ जाती । त्वरित उपाय आवश्यक स्थानीय प्रशासन और सड़क निर्माण एजेंसियों द्वारा सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव करना चाहिए। धूल की समस्या पर प्रशासन द्वारा निराकरण पर कब होता , समय के गर्भ में हैं ।

हंगामा : कंप्यूटर-कुर्सियां तोड़ीं, प्रयागराज में हाईवे जाम किया, सर्वर फेल होने से भड़के

एसएससी परीक्षा में छात्रों का बवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में हुई SSC-GD भर्ती परीक्षा के दौरान मंगलवार को सर्वर फेल होने पर परीक्षार्थियों ने हंगामा कर दिया। परीक्षा अंदावा स्थित सुनीता सिंह सीता सिंह महाविद्यालय में तीन शिफ्टों (पहलीः 10 से 11 बजे, दूसरीः 1 से 2 बजे और तीसरीः 4:30 से 5:30 बजे) में होनी थी।

पहली शिफ्ट की परीक्षा निर्धारित समय 10 बजे शुरू हुई। इसके लिए 600 परीक्षार्थी थे, लेकिन 450 परीक्षार्थी ही उपस्थित हुए। परीक्षा जैसे ही शुरू हुई, कंप्यूटर का सर्वर डाउन हो गया। इस पर परीक्षार्थी हंगामा करने लगे। उन्होंने कमरों में रखे कंप्यूटर और कुर्सियां तोड़नी शुरू कर दीं। नारेबाजी करने लगे।

इसके बाद करीब 11:35 बजे छात्रों ने प्रयागराज-वाराणसी हाईवे भी जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आधे घंटे बाद बड़ी मुश्किल से मामला शांत कराया। बवाल के बाद आज की परीक्षा रद्द कर दी गई। मामला सरायइनायत थाना क्षेत्र का है। थाना सराय इनायत के प्रभारी निरीक्षक संजय गुप्ता ने बताया- कई कंप्यूटर और क्लासरूम के फर्नीचर को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जिन छात्रों ने तोड़फोड़ की, उनकी पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही तकनीकी टीम को बुलाकर सर्वर संबंधित समस्या की पड़ताल करने और परीक्षा शेड्यूल को पुनर्निर्धारित करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। SSC के रीजनल हेड आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया- परीक्षा में तकनीकी गड़बड़ी के कारण हुए नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट शिक्षा विभाग और संबंधित परीक्षा प्राधिकरण को भेजी जाएगी। परीक्षार्थियों भी शांति बनाए रखें। साथ ही आज परीक्षा रद्द कर दी गई है। परीक्षा की नई तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी।

स्थानीय ग्रामीणों और ट्रैफिक पुलिस ने कहा- जाम के कारण वाहन चालकों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। लेकिन, जल्द यातायात बहाल कर दिया गया।

25 मई को भी छात्रों ने किया था हंगामा

सोमवार को भी प्रयागराज के इसी सुनीता सिंह सीता सिंह महिला महाविद्यालय के आई-टेक जोन परीक्षा केंद्र पर तोड़फोड़ की घटना हुई थी। दूसरी शिफ्ट (दोपहर 1 से 2 बजे) में केंद्र पर आवंटित सीटों से दोगुने परीक्षार्थियों के पहुंचने पर उम्मीदवारों ने जमकर उत्पात मचाया था। इस दौरान कई रूम के सैकड़ों कंप्यूटर सिस्टम, मॉनिटर, एसी, कूलर, सीसीटीवी, सर्वर, जैमर और वाटर कूलर सहित अन्य उपकरण तोड़ दिए थे। इसके बाद जीटी रोड पर जाकर चक्काजाम कर दिया। करीब एक घंटे तक यातायात थमा रहा। मौके पर पहुंचे पुलिस फोर्स ने स्थिति संभालते हुए प्रदर्शनकारियों को शांत कराया। इसी दौरान पुलिस ने लैपटॉप लेकर भाग रहे एक छात्र को हिरासत में भी लिया।

परीक्षार्थियों ने प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर आकर रोड जाम कर दिया।

126वें स्थापना दिवस पर भक्ति में डूबा बरैय्या

शोभायात्रा-भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। बरैय्या गांव स्थित प्राचीन श्री राम जानकी मंदिर के 126वें स्थापना दिवस पर मंगलवार को पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। रामचरितमानस पाठ, सुंदरकांड, भजन-कीर्तन, शोभायात्रा और विशाल भंडारे के आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म और आस्था का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। सुबह से देर शाम तक मंदिर परिसर में जय श्रीराम और हनुमानजी के जयकारे गूंजते रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना और रामचरितमानस पाठ से हुई। इसके बाद ढोल-नगाड़ों, घंटा-घड़ियाल और डीजे की भक्तिमय धुनों के बीच भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा बरैय्या स्थित श्री राम जानकी मंदिर से प्रारंभ होकर बाबापुरवा गांव स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया। इसके बाद यात्रा पुनः बरैय्या मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान महिलाएं और युवतियां भक्ति गीतों पर झूमती नजर आईं। श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लिए "जय श्रीराम" और "बजरंगबली की जय" के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। पूरे मार्ग पर भक्तिमय वातावरण बना रहा और ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। दोपहर बाद सुंदरकांड पाठ और हवन-पूजन का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति देकर क्षेत्र में सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

जनगणना-2027 में तेजी लाने के निर्देश

समीक्षा

मकान सूचीकरण और गणना कार्य की प्रगति पर हुई चर्चा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य को लेकर मंगलवार अपराह्न कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। बैठक में जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु, सभी उप जिला जनगणना अधिकारी, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी और जनगणना निदेशालय से आए जिला प्रभारी अतुल सिंह मौजूद रहे।

बैठक में जनगणना कार्य की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनगणना-2027 शासन की प्राथमिक योजनाओं में शामिल है। ऐसे में सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी तय समयसीमा के भीतर कार्य पूरा कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि जनगणना कार्य की सफलता अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्य को गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और तय समयसीमा के भीतर पूरा कराया जाए।

बैठक के दौरान जिला जनगणना अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यदि किसी प्रगणक की ओर से कार्य में शिथिलता बरती जाती है, तो संबंधित सुपरवाइजर स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी लें।

26 मई से प्रत्येक प्रगणक को क्षेत्र में शुरू करना होगा कार्य

जिलाधिकारी ने कहा कि 26 मई 2026 से प्रत्येक प्रगणक अपने आवंटित क्षेत्र में तेजी से मकान सूचीकरण और गणना कार्य शुरू करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड की निगरानी करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने उप जिला जनगणना अधिकारियों और चार्ज अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की लगातार समीक्षा करें। साथ ही सुपरवाइजरों के माध्यम से प्रगणकों की दैनिक प्रगति की रिपोर्ट भी लेते रहें।

सुपरवाइजरों को रोजाना रिपोर्ट देने के निर्देश

बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन प्रगणकों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करें और उसकी अद्यतन जानकारी उच्चाधिकारियों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि मकान सूचीकरण और डाटा संग्रहण का कार्य पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ होना चाहिए।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि यदि किसी प्रगणक को एचएलओ ऐप के माध्यम से डाटा डिजिटलाइजेशन करने में समस्या आती है या फील्ड में किसी तरह की तकनीकी दिक्कत होती है, तो उसका तत्काल समाधान कराया जाए। इसके लिए जनगणना निदेशालय से आए जिला प्रभारी अतुल सिंह से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

कुपोषण के खिलाफ विशेष अभियान, अति कुपोषित बच्चों को बांटी गई पोषण किट

भीटी, भियांव और टांडा में चिन्हित किए गए अति कुपोषित बच्चे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । अति कुपोषित बच्चों को सुपोषित बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। मुख्यमंत्री के निर्देशन में आकांक्षी विकास खंड भीटी, भियांव और टांडा में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन किया गया। चिन्हित बच्चों को जनपद स्तरीय अधिकारियों से गोद दिलाकर उनके पोषण और स्वास्थ्य की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को जिले के विभिन्न गांवों में कार्यक्रम आयोजित कर अति कुपोषित परिवारों को दुधारू गाय उपलब्ध कराई गई। इसका उद्देश्य परिवारों तक पोषणयुक्त दूध की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। इसके साथ ही सभी अति कुपोषित (सैम) बच्चों को पोषण किट भी वितरित की गई।

जनपद के कई आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। यहां ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव, आंगनबाड़ी मुख्य सेविका, कार्यकत्री, आशा और एएनएम की मौजूदगी में पोषण किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में गांव के अन्य लोग भी मौजूद रहे। मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), जिला पंचायतराज अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, उपायुक्त स्वतः रोजगार, जिला कार्यक्रम अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों ने अलग-अलग गांवों में पहुंचकर बच्चों और उनके परिवारों को पोषण सामग्री उपलब्ध कराई।

अधिकारियों ने ग्रामीणों को कुपोषण के कारण, उसके दुष्प्रभाव और बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी। लोगों को बताया गया कि बच्चों को समय पर संतुलित आहार, दूध, हरी सब्जियां और पौष्टिक भोजन देना जरूरी है। साथ ही नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान परिवारों को बच्चों के खानपान और साफ-सफाई को लेकर भी जागरूक किया गया।

फास्ट न्यूज

विद्युत दुर्घटना में मृत कर्मी के परिवार को 7.50 लाख की सहायता

अंबेडकरनगर । विद्युत कार्य के दौरान हुई दुर्घटना में जान गंवाने वाले निविदा कर्मी दयाशंकर के आश्रित परिवार को 7.50 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह घटना 19 मई को विद्युत केंद्र वैरमपुर बरवां अंतर्गत हुई थी, जहां कार्य के दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान 20 मई को उनका निधन हो गया था।

ज्येष्ठ मास के चौथे मंगलवार पर हनुमान मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

अंबेडकरनगर । ज्येष्ठ मास के चौथे मंगलवार पर पूरे जिले में धार्मिक माहौल देखने को मिला। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्थित हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। मंदिर परिसरों में दिनभर भक्ति और आस्था का माहौल बना रहा।श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजन-अर्चन कर हनुमान जी को सिंदूर, तुलसी दल, पुष्प माला और चमेली का तेल अर्पित किया। इस दौरान मंदिरों में लगातार जय बजरंग-बली और पवनसुत हनुमान की जय के जयघोष गूंजते रहे।

डिब्बा-बाल्टी बजाकर किसानों का प्रदर्शन

बाराबंकी। बाराबंकी के सिदधौर ब्लॉक मुख्यालय पर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। किसान खंड विकास अधिकारी पूजा सिंह के कार्यालय के बाहर डिब्बा और बाल्टी बजाते हुए पहुंचे, जिससे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर नाराज किसानों ने खंड विकास कार्यालय के सामने जमीन पर बैठकर प्रदर्शन किया ।

औचक निरीक्षण में गंदगी उजागर तीन सफाईकर्मी निलंबित

डीपीआरओ की कार्रवाई से मचा प्रशासनिक महकमे में हड़कंप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जिला पंचायत राज अधिकारी उपेंद्र पांडेय ने ग्राम पंचायत रसूलपुर मुबारकपुर स्थित ग्रामीण सचिवालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिवालय परिसर में लंबे समय से साफ-सफाई न होने और गंदगी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की गई। डीपीआरओ ने मौके पर ही तीन सफाईकर्मियों को निलंबित कर दिया। निरीक्षण के दौरान सामने आई स्थिति को गंभीर लापरवाही माना गया। अधिकारियों के अनुसार, साफ-सफाई की जिम्मेदारी होने के बावजूद नियमित कार्य नहीं किया गया था।

निरीक्षण के समय ग्रामीण सचिवालय में गंदगी और अव्यवस्था पाई गई। परिसर में साफ-सफाई का अभाव स्पष्ट दिखाई दिया। डीपीआरओ ने इसे पदीय दायित्वों की अनदेखी माना और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

अधिकारियों के मुताबिक, यह स्थिति लंबे समय से सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की ओर इशारा कर रही थी। इसी आधार पर कार्रवाई को आवश्यक बताया गया।

इस मामले में तीन सफाईकर्मियों को निलंबित किया गया है। इनमें मो० अहमद, इफ्तेखार और महताब अली शामिल हैं। तीनों पर अपने कर्तव्यों का सही तरीके से निर्वहन न करने का आरोप है।

निलंबन के बाद विभागीय स्तर पर अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मामले की जांच के लिए अलग-अलग सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) को जिम्मेदारी दी गई है।

प्रशासनिक फेरबदल : 8 नायब तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र बदले

जिलाधिकारी के आदेश से तहसील स्तर पर बड़ा बदलाव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 8 नायब तहसीलदारों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। इस आदेश के बाद कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी गई हैं, जबकि कुछ को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार अकबरपुर के नायब तहसीलदार देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव को अकबरपुर के साथ सिकंदरपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं रमेश चंद्र पांडेय को सिकंदरपुर से हटाकर टांडा का नायब तहसीलदार नियुक्त किया गया है।यह बदलाव क्षेत्रीय कार्यों के बेहतर संचालन को ध्यान में रखकर किया गया है। हरिराम को भियांव नायब तहसील क्षेत्र के साथ जलालपुर न्यायिक कार्य का अतिरिक्त जिम्मा सौंपा गया है। उत्कर्ष सिंह को जलालपुर नायब तहसीलदार बनाया गया है।इसके साथ ही हुबलाल को रामनगर का नायब तहसीलदार नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों से संबंधित क्षेत्रों में प्रशासनिक कार्यों में गति आने की उम्मीद जताई जा रही है। अंबरीष सिंह को टांडा से स्थानांतरित कर भीटी का नायब तहसीलदार बनाया गया है।

कटेहरी और जहांगीरगंज में न्यायिक जिम्मेदारी में बदलाव

नायब तहसीलदार कटेहरी को उपजिलाधिकारी अकबरपुर कार्यालय से संबद्ध किया गया है। अमरनाथ द्विवेदी, जो पहले जलालपुर में तैनात थे, अब रामनगर के साथ जहांगीरगंज के न्यायिक कार्य भी देखेंगे।सौरभ श्रीवास्तव को जहांगीरगंज का नायब तहसीलदार नियुक्त किया गया है। इससे क्षेत्रीय न्यायिक कार्यों में नए अधिकारियों की भूमिका तय की गई है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवसः तंबाकू से टीबी और कैंसर का बढ़ रहा खतरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर । विश्व तंबाकू निषेध दिवस की साप्ताहिक कार्ययोजना के तहत मंगलवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ मुकेश यादव ने की। सेमिनार में डॉक्टरों ने तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट और गुटखा के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों के बारे में जानकारी दी। प्रधानाचार्य डॉ मुकेश यादव ने कहा कि तंबाकू का सेवन शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक है। इसके लगातार उपयोग से टीबी, कैंसर और फेफड़ों से जुड़ी कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि तंबाकू शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देता है, जिससे संक्रमण और अन्य बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ता है। सेमिनार में डॉ उमेश कुमार वर्मा ने बताया कि इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम "आकर्षण का पर्दाफाश करनाः तंबाकू और निकोटीन की लत का मुकाबला करना" रखी गई है। उन्होंने कहा कि युवाओं को तंबाकू उत्पादों से दूर रखने के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है। दिलीप कुमार पांडेय ने बताया कि दुनियाभर में हर वर्ष लाखों लोगों की मौत तंबाकू सेवन के कारण होती है। उन्होंने कहा कि बढ़ते खतरे को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 1987 में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाने की घोषणा की थी। शुरुआत में यह दिवस 7 अप्रैल को मनाया गया, लेकिन बाद में 31 मई 1988 से हर साल 31 मई को इसे मनाया जाने लगा।

राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में आयोजित हुआ जागरूकता सेमिनार

लगातार वारदातों से पुलिसिंग पर नजर, एक महीने में कई हत्या की घटनाएं, माहौल में बेचैनी

जिले में अपराध ग्राफ पर सवाल

चुनौती

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जिले में पिछले कुछ समय से सामने आ रही आपराधिक घटनाओं ने कानून-व्यवस्था को लेकर बहस तेज कर दी है। खासकर हत्या की लगातार घटनाओं के बाद पुलिस व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि एक महीने के भीतर कई गंभीर वारदातें सामने आने से आम लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है।

जिले की पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह को लेकर यह भी चर्चा है कि वे कार्रवाई में सख्त मानी जाती हैं और अपराध नियंत्रण को लेकर लगातार मॉनिटरिंग करती हैं। इसके बावजूद हालिया घटनाओं ने पुलिसिंग के सामने चुनौती बढ़ा दी है।पुलिस स्तर पर लगातार दबिश, जांच और गश्त बढ़ाने की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर अपराध पर अंकुश को लेकर बहस जारी है।

कानून-व्यवस्था की चुनौती बढ़ी

जिले में हालिया घटनाओं के बाद पुलिस प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था को संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। अपराधों की प्रकृति और लगातार सामने आ रही घटनाएं पुलिसिंग के लिए गंभीर संकेत मानी जा रही हैं।हालांकि पुलिस की ओर से गश्त और निगरानी बढ़ाने की बात कही जा रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर परिणामों को लेकर बहस जारी है।

थानों की सक्रियता पर उठ रहे सवाल

लगातार घटनाओं के बीच थानों की सक्रियता और निगरानी व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। कई जगहों पर थानाध्यक्षों की लंबे समय से तैनाती को लेकर भी चर्चा तेज है।लोगों का कहना है कि जमीनी स्तर पर गश्त और खुफिया तंत्र को और मजबूत करने की जरूरत है, ताकि अपराधों पर समय रहते नियंत्रण पाया जा सके।

"स्थानीय लोगों के अनुसार बीते एक महीने में कई हत्या और गंभीर आपराधिक घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं के बाद जिले के कई इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सख्त और त्वरित कार्रवाई जरूरी है।

लगातार घटनाओं के बीच आम लोगों में असुरक्षा का माहौल है। जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर चर्चा अब इसी सवाल पर आकर टिक गई है कि अपराधों का सिलसिला कब थमेगा और जमीनी स्तर पर सुरक्षा कब मजबूत दिखेगी।

हाई अलर्ट : 122 ईदगाह और 332 मस्जिदों पर सुरक्षा घेरा

जिले को 9 जोन में बांटकर पुलिस ने संभाली कमान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । बकरीद पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह सख्त कर दिया है। जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील इलाकों से लेकर प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों तक भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

एसपी प्राची सिंह के अनुसार पूरे जिले को 9 जोन में विभाजित किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत 122 ईदगाहों और 332 मस्जिदों पर विशेष पुलिस तैनात की गई है, ताकि किसी भी स्थिति में व्यवस्था प्रभावित न हो। पुलिस प्रशासन ने प्रत्येक जोन और सेक्टर में वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। बकरीद की नमाज के दौरान विशेष रूप से 5 जोन और 18 सेक्टर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

संवेदनशील इलाकों में प्रांतीय सशस्त्र बल (पीएसी) की टुकड़ियां भी लगाई गई हैं। सुरक्षा कर्मी लगातार गश्त कर रहे हैं और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

इस बार सुरक्षा व्यवस्था में आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाया गया है। पुलिस ने भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील 'हॉटस्पॉट' क्षेत्रों की पहचान की है।इन इलाकों में ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। तंग गलियों और छतों पर भी लगातार नजर रखी जा रही है। प्रमुख चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है, जिससे हर गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सके।

पुलिस की सोशल मीडिया सेल को भी सक्रिय किया गया है। किसी भी भ्रामक सूचना या आपत्तिजनक पोस्ट पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।प्रशासन का उद्देश्य है कि त्योहार के दौरान किसी भी तरह की अफवाह न फैले और माहौल पूरी तरह शांतिपूर्ण बना रहे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सभी तैनातियां सुरक्षा मानकों के अनुसार की गई हैं। गश्त और निगरानी लगातार जारी रहेगी।

लू से सड़क पर गिरे बुजुर्ग की समय रहते बची जान

समाजसेवी ने पहुंचाया अस्पताल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर ।जलालपुर नगर में सोमवार को भीषण गर्मी और लू के बीच एक 85 वर्षीय बुजुर्ग अचानक बेहोश होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना स्टेट बैंक के सामने की है। तेज धूप और उमस के कारण मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसी दौरान समाजसेवी विकास कुमार निषाद ने तत्परता दिखाते हुए बुजुर्ग को तुरंत सहायता पहुंचाई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बुजुर्ग काफी देर तक धूप में रहे थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वह सड़क पर गिर पड़े। हालत गंभीर देख विकास कुमार निषाद मौके पर पहुंचे और लोगों की मदद से बुजुर्ग को सड़क से उठाकर सुरक्षित स्थान पर बैठाया। इसके बाद ठंडे पानी से हाथ-मुंह धुलवाया गया और प्राथमिक राहत दी गई।

घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पुलिस और 108 एंबुलेंस को दी गई। बुजुर्ग की जेब से मिली बैंक पर्ची के आधार पर उनकी पहचान सहदेव राम निवासी पर्वतपुर के रूप में हुई। एंबुलेंस पहुंचने के बाद विकास कुमार निषाद खुद बुजुर्ग के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगपुर पहुंचे। वहां करीब दो घंटे तक इलाज और अन्य व्यवस्थाओं में जुटे रहे। साथ ही परिजनों से संपर्क करने का प्रयास भी किया गया। सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने समय पर मदद के लिए विकास कुमार निषाद का आभार जताया।

आयोजन : गंगा दशहरा पर जिले में मनाया गया 'जल अर्पण दिवस'

65 पेयजल परियोजनाओं का लोकार्पण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत "जल अर्पण दिवस" समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत जिले की 65 पेयजल परियोजनाओं का लोकार्पण कर उन्हें ग्रामीणों को समर्पित किया गया। इन योजनाओं से 72 ग्राम पंचायतों और 121 राजस्व ग्रामों के हजारों लोगों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलेगी।

जिले के अलग-अलग विकास खंडों में कार्यक्रम आयोजित कर पेयजल योजनाओं का शुभारंभ किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ग्रामीणों को जल संरक्षण और स्वच्छ पेयजल के महत्व की जानकारी दी। विकास खंड कटेहरी के पियारेपुर पेयजल योजना स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय मौजूद रहे। वहीं विकास खंड भीटी के नगहरा पेयजल योजना पर विधायक धर्मराज निषाद ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को पेयजल योजनाओं की जानकारी दी गई और बताया गया कि इन योजनाओं से गांवों में घर-घर तक साफ पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। कार्यक्रम के दौरान "जल वंदन" और "जल बंधन" कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। अधिकारियों और ग्रामीणों ने पंप हाउस एवं उच्च जलाशय पर रक्षासूत्र बांधकर जल संरक्षण का संदेश दिया। इसके साथ ही "जल संवाद" कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण, स्वच्छ पेयजल और पानी के सही उपयोग के प्रति जागरूक किया गया।

अफजलपुर में जिलाधिकारी ने किया लोकार्पण

विकास खंड अकबरपुर के ग्राम पंचायत अफजलपुर स्थित अफजलपुर पेयजल योजना का लोकार्पण जिलाधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, खंड विकास अधिकारी विशाल सारस्वत, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) और ग्राम प्रधान अफजलपुर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस दौरान अधिकारियों ने पेयजल योजना का निरीक्षण भी किया और ग्रामीणों से बातचीत कर सुविधाओं की जानकारी ली।

विद्युत दुर्घटना में मृत कर्मी के परिवार को 7.50 लाख की सहायता

19 मई की दुर्घटना में घायल कर्मी की हुई थी मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । विद्युत कार्य के दौरान हुई दुर्घटना में जान गंवाने वाले निविदा कर्मी दयाशंकर के आश्रित परिवार को 7.50 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह घटना 19 मई को विद्युत केंद्र वैरमपुर बरवां अंतर्गत हुई थी, जहां कार्य के दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान 20 मई को उनका निधन हो गया था।घटना के बाद विद्युत विभाग और जिला प्रशासन ने शोक व्यक्त करते हुए मृतक कर्मी को श्रद्धांजलि दी थी। शासन के निर्देश और जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में विभागीय नियमों एवं सेवा प्रदाता कंपनी के अनुबंध के तहत यह आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। मृतक कर्मी के आश्रितों को 7.50 लाख की क्षतिपूर्ति राशि उपलब्ध कराई गई।प्रशासन ने इसे त्वरित राहत कार्रवाई के रूप में लागू किया, ताकि पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहारा मिल सके।

सहायता राशि पीड़ित परिवार को उनके आवास पर जाकर प्रदान की गई। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर नीतीश कुमार तिवारी और उपखंड अधिकारी कटेहरी मौजूद रहे।अधिकारियों ने मृतक की पत्नी ज्योति कुमारी को सहायता राशि का चेक सौंपा। मृतक का परिवार ग्राम मिर्जापुर कोडरा, अकबरपुर क्षेत्र का रहने वाला है। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के अधिकारियों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

सम्पादकीय

चुनौती भरे दिन

बीते चंद दिनों के अंदर चौथी बार पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में वृद्धि यही बताती है कि तेल कंपनियों के लिए उनके दाम स्थिर रखना संभव नहीं रह गया है। पेट्रोल-डीजल के साथ गैस के दाम इसीलिए बढ़ रहे हैं, क्योंकि अमेरिका-ईरान के बीच टकराव के चलते वह होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित है, जहां से विश्व के पांचवें हिस्से की ऊर्जा आपूर्ति होती है। चूंकि भारत अपनी आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक ईंधन आयात करता है, इसलिए उसके सामने पेट्रोल-डीजल-गैस के दाम बढ़ाने के अतिरिक्त और कोई उपाय नहीं। जो मजबूरी भारत के समक्ष आ खड़ी हुई है, वही विश्व के अन्य देशों के सामने भी है।

इसकी अनदेखी न की जाए कि भारत ने अन्य देशों की तुलना में कहीं बाद में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाए। पेट्रोल-डीजल और गैस के बढ़ते दामों के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जिस तरह यह कहा कि तेल, उर्वरकों और विदेशी मुद्रा पर कड़ी निगाह रखने की जरूरत है, उसकी पूर्ति तो सरकार को स्वयं ही करनी होगी। आम जनता इतना अवश्य कर सकती है और उसे करना भी चाहिए कि किफायत बरतने के उन उपायों पर ध्यान दे, जो सरकार और विशेष रूप से प्रधानमंत्री की ओर से सुझाए गए हैं। लोगों को यथासंभव इसके प्रति सतर्क रहना चाहिए कि उनके क्रियाकलापों से विदेशी मुद्रा पर बोझ न बढ़े। वे इसे अनदेखा नहीं कर सकते कि वित्त मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि ईंधन के साथ उर्वरकों की कीमतें अकल्पनीय रूप से बढ़ रही हैं और सोने के दाम भी चुनौती बन गए हैं। इसका अर्थ है कि आने वाले दिन और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। यह वित्त मंत्री के इस कथन से और भी स्पष्ट होता है कि पश्चिम एशिया संकट का असर जियो-पालिटिक्स से कहीं आगे तक जाता है और कारोबारियों एवं आम लोगों के लिए इसका मतलब हो सकता है-ईंधन की ज्यादा कीमत, कार्गो में देरी, शिपिंग का महंगा होना, इनपुट की अधिक लागत और निर्यात आर्डर में अनिश्चितता। उन्होंने यह भी कहा कि जरा सोचिए, जब ये सभी चीजें एक साथ सामने आए जाएं, तो क्या होगा? निःसंदेह अच्छा नहीं होगा, लेकिन उनकी इस बात का विपक्षी दलों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला कि कुछ लोग डर फैलाने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें ऐसा करने की बजाय लोगों में विश्वास जगाना चाहिए। जब विपक्षी नेता पहले से ही यह माहौल बना रहे हैं कि जानबूझकर महंगाई बढ़ाने वाले काम किए जा रहे हैं, तब यह जिम्मेदारी सरकार की ही है कि वह लोगों को वस्तुस्थिति से अवगत कराए और उनमें यह भरोसा पैदा करे कि तमाम बाहरी चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है। उसके लिए यह भी जरूरी है कि चुनौतियों से पार पाने के लिए जो जरूरी फैसले लेने हैं, उनमें देर न की जाए।

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

> साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है। पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को "निरस्त्र" करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा। इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना।

- ललित गर्ग

जवाहर लाल नेहरू... वेदव्यास

दुराग्रह से प्रायोजित बहस जवाहर लाल नेहरू के योगदान को कम कर सकती है ?

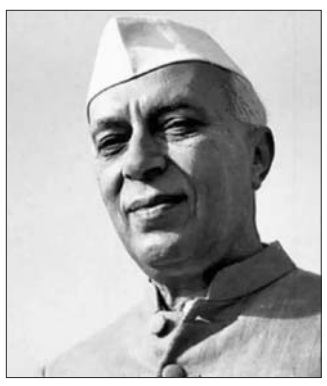

आज के भारत में महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू ही दो ऐसे नाम हैं जिनके बारे में बच्चे बूढ़े कुछ न कुछ जरूर बोल सकते हैं और लिख भी सकते हैं लेकिन इन दोनों की विडम्बना भी यह है कि लोग अब इन्हें अप्रासंगिक समझकर अनुकरण की मुख्यधारा से बाहर धकेलते जा रहे हैं लेकिन पिछले दिनों बाल दिवस पर जवाहर लाल नेहरू के जीवन को सुनकर मुझे फिर से यह विश्वास मिला कि भारतीय समाज और राजनीति के अनेक उत्तर आज भी नेहरू के व्यक्तित्व और कृतित्व में खोजे जा सकते हैं। क्योंकि जवाहर लाल नेहरू, स्वभाव से एक राजनीतिज्ञ नहीं थे और स्वप्नदृष्टा देशभक्त थे इसलिए नए भारत की उनकी अवधारणा मुझे आज भी प्रासंगिक लगती है।

जवाहर लाल नेहरू, अपने 75 वर्ष के जीवन में 17 वर्ष तक (1947-1964) देश के पहले और लोकप्रिय प्रधानमंत्री रहे तथा भारत के विकास की नींव रखने का उनका योगदान कभी कोई भुला नहीं सकता। वह महात्मा गांधी के सबसे प्रिय स्वतंत्रता सेनानी थे और एक ऐसे समृद्ध परिवार से थे जिसने अपना सर्वस्व भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी दिलाने में समर्पित कर दिया था। नेहरू के व्यक्तित्व का जादू ही कुछ ऐसा था कि जनता उन्हें एक स्वप्न की तरह ही देखती थी। भारत की राजनीति में अब जवाहर लाल नेहरू के विचार और चिंतन की कोई विरासत हमें नहीं दिखती क्योंकि राजनीति अब अपराधियों का स्वर्ग है तथा लोकतंत्र धनबल और बाहुबल का बंदी है। अब राजनीति के सबसे शक्तिशाली अंगरक्षक ही धर्म और जाति के पहलवान हैं तथा इस गंदे खेल में जवाहर लाल नेहरू अब एक तस्वीर मात्र रह गए हैं। जवाहर लाल नेहरू ने 15 अगस्त, 1947 को लालकिले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम जो उद्बोधन दिया था वह मुझे आज भी याद दिलाता है कि हिंदुस्तान एक समस्या प्रधान राष्ट्र होने के साथ-साथ संभावना प्रधान राष्ट्र भी है। नेहरू ने तब यह कहा था कि गरीबी, अशिक्षा और फिरका परस्ती आज की हमारी सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। जवाहर लाल नेहरू क्योंकि एक व्यावहारिक राजनेता नहीं थे और विचारशील अध्येता और समाजशिल्पी थे- उन्होंने देश में विविधता को एकता का जो स्वर दिया वह आज भी हमारे विकास की प्राणवायु है। उन्होंने भारत गणराज्य की स्थापना के समय ही यह जान लिया था कि अनेक धर्म, संप्रदाय, जाति, भाषाएं, क्षेत्रीयताएं और मत मतांतर में उलझी एशिया की यह संस्कृति और सभ्यता अपने साझा सरोकार रखकर ही जीवित है तथा अतिवाद और संकीर्णतावाद का कोई स्थान नहीं है। इसी दूरगामी समझ को अपनाते हुए उन्होंने देश को मिश्रित अर्थव्यवस्था का रास्ता दिया तथा यूरोप को जानकर इसका एक ऐसा मजबूत औद्योगिक ढांचा तैयार किया जिसमें सार्वजनिक उपक्रम और निजी क्षेत्र को बराबर से आगे बढ़ने का अवसर मिला। बड़े इस्पात के संयंत्र और बड़े बांध बनाने का उनका निर्णय ही आज हमें इस बात का भरोसा दिलाता है कि विकास का मूलभूत ढांचा भारत जैसे कृषि प्रधान देश में बिजली, पानी, सड़क और शिक्षा के बल पर ही खड़ा हो सकता है। जवाहर लाल नेहरू, मुझे तो आज भी इसलिए प्रासंगिक लगते हैं कि यदि वह नए भारत की बुनियाद में योजना आयोग, पंचायती राज, सर्वशिक्षा, अणुशक्ति आयोग, गुट निरपेक्ष आंदोलन, संस्कृति केंद्रों की स्थापना और औद्योगिक संयंत्र तथा बड़े बांधों का निर्माण नहीं कराते तो यह 140 करोड़ देवी-देवताओं का देश 21वीं शताब्दी के किस चौराहे पर आज खड़ा मिलता। वस्तुतः नेहरू के भीतर यूरोप, भारत और समाजवादी सोवियत संघ की एक सामूहिक चेतना का उद्भव सक्रिय था और वह युद्ध तथा शांति के बीच शांति को ही मनुष्य और दुनिया का विकल्प मानते थे।

जवाहर लाल नेहरू की इतिहास और संस्कृति की समझ कितनी व्यापक थी इसे जानने के लिए आप उनकी लिखी तीन पुस्तकें ही (हिंदुस्तान की खोज, विश्व इतिहास की झलक और पिता के पत्रःपुत्री के नाम) पढ़ लें। आप देखेंगे कि वह एक शासक और शहंशाह नहीं थे अपितु, एक संयोजक और सूत्रधार अधिक थे। नेहरू की इतिहास और संस्कृति की समझ इतनी गहरी और आधुनिक थी कि दुनिया के महानतम व्यक्तियों में उन्हें माना जाता था और उनकी समझ को समाज विज्ञान में बदलाव का प्रेरक कहा जाता था। जवाहर लाल नेहरू के लालकिले की प्राचीर से दिए गए भाषण, संविधान सभा और संसद की बहसों और यत्र-तत्र व्यक्त विचारों को फिर से पढ़ने पर मुझे तो बार-बार यह लगता है कि भारत और दुनिया के बारे में उनकी अवधारणाएं कितनी यथार्थ परक थीं।

शेखा पक्षी विहार को रामसर स्थल का दर्जा मिलने से विकास को मिली नई गति

उत्तर प्रदेश में सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रतिमान बदलते दिख रहे हैं। हाल के वर्षों में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए नीतिगत कदमों ने न केवल राज्य के पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ किया है बल्कि जिला स्तर पर सामाजिक-आर्थिक विकास की नई राहें भी खोली हैं। इसी कड़ी में अलीगढ़ के शेखा पक्षी विहार को प्रदेश के 12वें रामसर स्थल के रूप में अधिसूचित किया जाना एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटनाक्रम माना जा रहा है। यह उपलब्धि प्रदेश सरकार की दीर्घकालिक रणनीतियों, प्रभावी कार्ययोजनाओं और सतत विकास के प्रति उसकी प्रशासनिक गंभीरता को रेखांकित करती है। इस नीतिगत सफलता ने उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पटल पर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक सजग राज्य के रूप में स्थापित किया है।

प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में आर्द्रभूमियों की भूमिका अत्यंत अनमोल और बहुआयामी मानी जाती है। ये जलीय क्षेत्र प्राकृतिक रूप से जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण, कार्बन अवशोषण और जैव विविधता संरक्षण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन सहजता से करते हैं। इसके अतिरिक्त ये क्षेत्र हजारों मील दूर से आने वाले प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित शीतकालीन आवास प्रदान करने के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीण समुदायों की आजीविका का सुदृढ़ आधार बनते हैं। इन्हीं अनुपम विशेषताओं के कारण वैश्विक स्तर पर ईरान के रामसर शहर में वर्ष 1971 में हुए अभिसमय के तहत दुनिया की विशिष्ट आर्द्रभूमियों की पहचान कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संरक्षित करने की व्यवस्था की गई है। उत्तर प्रदेश ने इस दिशा में कार्य करते हुए पिछले कुछ वर्षों में धरातल पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। अलीगढ़ के शेखा पक्षी विहार को यह वैश्विक दर्जा मिलने के साथ ही अब राज्य में कुल 12 रामसर स्थल हो गए हैं, जो प्रदेश को पूरे देश में आर्द्रभूमियों की संख्या के मामले में दूसरे पायदान पर खड़ा करते हैं। विशेष रूप से ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि इन 12 स्थलों में से 11 को पिछले नौ वर्षों के भीतर ही यह अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। यह तीव्र प्रगति दर्शाती है कि प्रदेश सरकार ने इस संवेदनशील क्षेत्र में कितनी योजनाबद्ध और प्रभावी कार्यप्रणाली के साथ काम किया है। प्रशासनिक गतिशीलता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि फरवरी 2026 में जनपद एटा स्थित पटना पक्षी विहार को रामसर स्थल घोषित किए जाने के ठीक दो महीने बाद अप्रैल 2026 में अलीगढ़ के शेखा पक्षी विहार को भी यह अंतर्राष्ट्रीय गौरव प्राप्त हो गया। इतनी अल्प अवधि में दो महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियों को वैश्विक मानचित्र पर लाना प्रदेश सरकार की तीव्र निर्णय क्षमता और जिला प्रशासन के जमीनी समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के रामसर स्थलों में अपर गंगा रिवर, नवाबगंज, सरसई नावर, समसपुर, सांडी, समन, पार्वती अरगा, सुर सरोवर, हैदरपुर, बखीरा, पटना और शेखा पक्षी विहार शामिल हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल लगभग 39,914 हेक्टेयर है। इस विशाल हरित क्षेत्र का संरक्षण सीधे तौर पर संबंधित जनपदों की ग्रामीण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति दे रहा है। रामसर स्थल के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिलने के बाद इन क्षेत्रों में इको टूरिज्म यानी पारिस्थितिकी पर्यटन की असीम संभावनाएं जागृत हो गई हैं। देश-विदेश से आने वाले शोधकर्ता, प्रकृति प्रेमी और पक्षी वैज्ञानिक इन स्थलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

असफलता मिलने पर निराशा नहीं हों

जो उदित होता है,वह निश्चित ही एक दिन अस्त होता है। इस सच्चाई को जानने वाला कभी भी पस्त नहीं होता है। सृष्टि के इस नियम से कोई भी अछूता नहीं रह सकता है । इस रहस्य को जो जान लेता है वह कभी भी त्रस्त नहीं होता है। विधार्थी पढ़ता हैं । वह यदि एक बार में फेल हो जाए और पढ़ना ही बंद कर दे तो क्या वह पढ़ पाएगा ? बार-बार हार कर गिर-गिर कर उठना प्रयत्न करते रहना तो आम बात है। ऐसा कई बार हो सकता है तब सफलता हाथ लगती है । अतः आदमी को असफलता मिलने पर निराश नहीं होना चाहिए । उसे असफलता को छोड़ सफलता को प्राप्त करने का रास्ता खोजना चाहिए । हमारे जीवन में सभी असफलता अभिशाप नहीं है। क्योंकि प्रायः असफल हुए बिना कोई कभी भी अपने आप सफल हो ही नहीं सकता हैं । वह जब असफल होने पर हमें धक्का सा लगता है तो उसी पल मन को मजबूत बनने की भी प्रेरणा देता है। कुदरत ने हर व्यक्ति को कुछ न कुछ सकारात्मकता अवश्य दी है। परन्तु अक्सर सांसारिक उलझनों के बीच वह हमारे ध्यान में ही नहीं आती है। हम समझें सकारात्मकता हमारे सोचने का तरीका बदल सकती है। नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है। जीवन के हर क्षेत्र में नए-नए समाधान दे सकती है किसी भी तरह की समस्या के लिए सोच का सकारात्मक दृष्टिकोण एक अलग ही नजरिए से देखने की शक्ति देता है। विद्यार्थी के सामने लक्ष्य हैं- पढ़ना । शिक्षा प्राप्त करना जीवन के लिए बहुत आवश्यक हैं । मन की उडान के आगे क्या सारे उडन खटोले पराजित नही है ? हमारा जीवन हमेशा एक जैसा नहीं रहता है, सुख और दुख का आना-जाना लगा ही रहता है । वह जिस प्रकार रात के बाद सुबह होती है, उसी प्रकार दुख के बदल छंट जाते है और खुशी के दिन आते हैं । रात दुख का प्रतीक है और दिन सुख का प्रतीक हैं । वह जिस तरह पानी दो किनारों के बीच बहते हुए आगे बढ़ता है, उसी तरह जीवन में सुख और दुख दो किनारे हैं जीवन इन्ही के बीच चलता है ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

उत्तर प्रदेश सरकार... अजय द्विवेदी, सहयुक्त संपादक

होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति से मरीज़ों को मिल रहा बेहतर उपचार

प्रदेश के सभी नागरिकों को रोगों के निदान की सभी चिकित्सा पद्धतियों की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार लगातार मरीजों का उपचार कर रही है। आमजन को इलाज मिलता रहे इसलिए प्रदेश सरकार ने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहित किया है। प्रदेश सरकार आयुष विभाग के माध्यम से प्रदेश में होम्योपैथी चिकित्सा सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर निरन्तर कार्य कर रही है। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति केवल रोगों के उपचार के साथ-साथ प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है। वर्तमान समय में जब स्वस्थ जीवन शैली और रोग निवारण का महत्व निरन्तर बढ़ रहा है, तब इसकी उपयोगिता और भी प्रभावशाली सिद्ध हो रही है। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में गंभीर एवं दीर्घकालीन रोगों का उपचार भी संभव हो रहा है प्रदेश सरकार ने होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की है।

प्रदेश में 1585 राजकीय होम्योपैथिक डिस्पेंसरी /चिकित्सालय है। इसके अलावा 9 अस्पताल राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय के अन्तर्गत संचालित है। जिसके माध्यम से जन सामान्य को होम्योपैथिक विधा के माध्यम से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। होम्योपैथिक विधा के पारंगत एवं अनुभवी चिकित्सकों को तैयार करने के लिए प्रदेश में 9 होम्योपैथिक महाविद्यालय राजकीय क्षेत्र में एवं 4 महाविद्यालय निजी क्षेत्र में संचालित है। इन महाविद्यालयों में नीट चयन परीक्षा के माध्यम से छात्रों का चयन होता हैं जिसकी मेरिट आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार की जाती है। जिसके आधार पर राज्य सरकार के आयुष विभाग द्वारा काउंसलिंग के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं को सीट का आवंटन किया जाता है । प्रदेश में जनता को आयुष पद्धति की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा प्रदेश के नौ विधानसभा क्षेत्रों में बरेली कैण्ट जनपद बरेली, लखीमपुर, जनपद खीरी तिलोई जनपद अमेठी, बिठूर जनपद कानपुरनगर, महोबा जनपद महोबा, नरैनी, जनपद बांदा, मानिकपुर जनपद चित्रकूट, पडरौना जनपद कुशीनगर एवं भदोही जनपद भदोही में चिकित्सालयों की स्थापना हेतु की गयी घोषणा के क्रम में उक्त स्थानों पर चिकित्सालय भवनों का निर्माण कराते हुए चिकित्सीय कार्य सुचारू रूप से संचालित हो गया। प्रदेश में होम्योपैथिक विधा को और अधिक सुदृढ़ किये जाने हेतु छात्र/छात्राओं को होम्योपैथिक चिकित्सा शिक्षा सुलभ कराये जाने के उद्देश्य से आयुष मिशन के माध्यम से जनपद वाराणसी में एक नये राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय स्थापित किये जाने की योजना है। इस महाविद्यालय को निर्माण कार्य प्रगति पर है। प्रदेश में होम्योपैथिक महाविद्यालयों में मानकों के अनुरूप आधारभूत सुविधाओं का विकास तेजी से कराया जा रहा है। राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ में छात्रावास के निर्माण को पूर्ण कराते हुए उपयोग में लाया जा रहा है। राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज गोरखपुर में महिला एवं पुरूष छात्रावास, होम्योपैथिक मेडिकल कालेज अलीगढ़ में महिला एवं पुरूष, छात्रावास, राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज आजमगढ़, में महिला एवं पुरूष छात्रावास तथा राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज गाजीपुर में पुरूष छात्रावास का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इन मेडिकल कालेजों के छात्रावास के निर्माण कार्यों को पूर्ण करने पर छात्र/छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी और चिकित्सा शिक्षा का वातावरण और अधिक सुदृढ़ होगा। होम्योपैथिक मेडिकल कालेजों से शिक्षा प्राप्त कर छात्र-छात्राएं होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा में आम जनता के प्रति बेहतर सेवाभाव से इलाज करेंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार का ध्येय है कि प्रदेश के हर क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक तक सुलभ, सस्ती एवं प्रभावी चिकित्सा सेवाएं पहुंचे। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के विस्तार से आमजन को बेहतर उपचार सुविधा मिल रही है। आयुष सेवाओं की मूलभूत सुविधाओं के विकास से जनस्वास्थ्य को मजबूती मिली है। उत्तर प्रदेश की पावन धरा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक रूप से ज्ञान और चिकित्सा पद्धतियों की संगम स्थली रही है। वर्तमान सरकार के गत 09 वर्षों के कार्यकाल में प्रदेश ने अपनी पुरातन चिकित्सा पद्धतियों को न केवल सहेजा है, बल्कि उन्हें आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर एक नई दिशा प्रदान की है। प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे में एक मौन क्रांति आई है, जिसमें यूनानी चिकित्सा पद्धति का पुनरूद्धार विशेष रूप से हुआ है। वर्ष 2017 से 2026 तक का समय यूनानी चिकित्सा के लिए स्वर्ण युग के समान सिद्ध हुआ है, जहां केवल एक वैकल्पिक उपचार के रूप में नहीं बल्कि मुख्यधारा की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के रूप में स्थापित किया गया है। प्रदेश सरकार की दूरगामी दृष्टि का परिणाम है कि आज प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों में यूनानी दवाओं और उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। जिससे आम जनमानस का इस प्राचीन पद्धति पर विश्वास गहरा हुआ है।

कसमंडी किले पर विवाद, पुलिस बल तैनात

विरोध

हिंदूवादी नेता बोले- मौलाना क्यों भागा, कल बकरीद की नमाज नहीं पढ़ी जाएगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मलिहाबाद स्थित कसमंडी कलां इलाके में पुराने किले को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ गया है। मंगलवार को कुछ हिंदूवादी नेता यहां पूजा की थाली लेकर पहुंच गए। स्थल के पास तैनात पुलिस बल के जवानों ने उन्हें रोक दिया, तो जमीन पर बैठ गए। वहीं से किले की तरफ मुंह करके आरती उतारी।

ये सभी अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारी थे। इनका कहना था कि यह मस्जिद नहीं, हिंदू नेता कंसा पासी का किला है। यहां पर अवैध गतिविधियां करने वाला मौलाना आखिर अब क्यों भाग गया?

संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कहा- लोगों के विरोध के बाद मौलाना जमील अहमद उर्फ जॉनी क्यों भाग गया? वहीं, बढ़ते

तनाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियात के तौर पर यहां बकरीद की नमाज करने पर पाबंदी लगा दी है।

मलिहाबाद तहसील क्षेत्र के कसमंडी कला गांव में एक किला जैसा पुराना ढांचा है। गांववालों के अनुसार, यहां करीब 4 साल पहले जमील अहमद उर्फ जॉनी नाम का मौलाना आया। उसने ढांचे के बगल में ही मस्जिद बना ली और मदरसा चलाने लगा। इतना ही नहीं, उसने किले वाले ढांचे का भी इस्तेमाल शुरू कर दिया।

किला वाले ढांचे को लोग ऐतिहासिक कंसा पासी का किला बता रहे हैं। कंसा पासी के नाम पर ही गांव का नाम कसमंडी पड़ा था। गांववालों के मुताबिक, मौलाना की गतिविधियां संदिग्ध लगीं तो पासी

बड़ी संख्या में जुट रहे हिंदूवादी नेता

विवाद की सूचना जैसे-जैसे फैल रही है, गांव में हिंदूवादी नेताओं का जुटना भी शुरू हो गया है। अखिल भारत हिंदू महासभा के बाद अन्य संगठन से जुड़े लोग भी यहां पहुंच रहे हैं। गौरव गोस्वामी नाम का एक युवक अपने साथियों के साथ पहुंचा। यहां हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ने का प्रयास किया। लेकिन, प्रशासन ने बाहर पढ़ने की इजाजत दी। बाहर हनुमान चालीसा का पाठ कर गौरव अपने साथियों के साथ लौट गया।

'मौलाना को ढूंढ़कर लाया जाए, उसकी धुलाई हो'

अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कहा कि यह शूरवीर, पराक्रमी महाराजा कंसा पासी का किला है। इसमें कुछ चरमपंथी मौलाना लोगों ने कब्र बनाकर नमाज पढ़ना शुरू कर दिया। पासी समाज के सम्मान में, हिंदू महासभा है मैदान में। हमारी 2 प्रमुख मांगें हैं। पहली- उस मौलाना और उसके सहयोगियों को ढूंढकर सबके सामने लाया जाए। उसे वाशिंग मशीन में धुला जाए। दूसरी- किले को मुक्त कराकर शिव मंदिर को पासी समाज को सौंपा जाए। सारा हिंदू पासी समाज के साथ है।

समाज के लोगों ने उसका विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद मौलाना यहां से 21 मई को भाग गया।गांव में विवाद 21 मई (गुरुवार) से शुरू हुआ था। लाखन आर्मी के अध्यक्ष सूरज पासी ने कुछ समर्थकों को लेकर

इस तस्वीर में कंसा पासी किला और बगल में बनाई गई मस्जिद दिख रही है।

स्थल के पास प्रदर्शन किया था। उनका कहना था कि कंसा पासी किला के अंदर देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं। इस पर कब्जा किया जा रहा है।

एकेटीयू मे पेपर लीक के बाद कंप्यूटर साइंस परीक्षा रद

जांच टीम की रिपोर्ट पर हुई कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने बीटेक तीसरे वर्ष के छठे सेमेस्टर की परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने के बाद परीक्षा रद कर दी है। मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई थी। सोमवार को रिपोर्ट आने के बाद परीक्षा निरस्त करने पर फैसला लिया गया। अब निरस्त की गई 5 जून को होगी।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार को परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले नोएडा के एक कॉलेज की आईडी से प्रश्न पत्र डाउनलोड कर उसे वायरल किए जाने की शिकायत सामने आई थी। इस मामले में नोएडा साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

AKTU प्रशासन के अनुसार गठित जांच समिति में IET लखनऊ के निदेशक प्रो.वीरेन्द्र पाठक,

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज बिजनौर के निदेशक प्रो. नीलेंद्र और नेताजी सुभाषचंद्र बोस तकनीकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के वरिष्ठ प्रोफेसर विजयंता अग्रवाल शामिल हैं। समिति कुलपति प्रो. राजीव कुमार की अध्यक्षता में जांच कर रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि परीक्षा शुरू होने से करीब 12 घंटे पहले प्रश्न पत्र ईआरपी पोर्टल के माध्यम से कॉलेजों को भेजा जाता है। परीक्षा केंद्रों के अधीक्षकों के पास आईडी और पासवर्ड उपलब्ध होते हैं, जिससे वे परीक्षा से कुछ समय पहले प्रश्न पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

गले के कैंसर के जल्दी पहचान के लिए तैयार किया एआई मॉडल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग ने गले में होने वाले कैंसर की जल्दी पहचान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) मॉडल तैयार किया है। दावा है कि पहली इंडोस्कोपी में ही यह मॉडल कैंसर की पहचान करने में सक्षम होगा। यह शोध मंगलवार को प्रतिष्ठित जर्नल स्प्रिंगर नेचर में प्रकाशित हुआ है। इस शोध में विभाग के डा. पुनीत मिश्रा, शोधार्थी मो. उस्मान, डा. सिद्धार्थ और ईएनटी विशेषज्ञ डा. राकेश श्रीवास्तव ने अपना सहयोग दिया है।

लखनऊ में चलते ई-रिक्शा में लगी आग

लखनऊ। लखनऊ के सआदतगंज थाना क्षेत्र में दरगाह हजरत अब्बास रोड, रुस्तमनगर में चलते ई-रिक्शा में आग लग गई। ड्राइवर को जैसे ही आभास हुआ, वह उतरकर भाग गया। उतरने के बाद वह माथा पीटकर रोता रहा। उसकी आंखों के सामने पूरा ई-रिक्शा जल गया। आसपास के लोगों ने उसकी मदद की और किसी तरह आग बुझाई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ई-रिक्शा रुस्तमनगर रोड से गुजर रहा था। उसी समय उसमें से अचानक धुआं और चिंगारियां निकलने लगीं। खतरे को भांपते हुए चालक ने तुरंत वाहन रोका और नीचे कूद गया।

यूपी में घर बैठे मुफ्त एआई प्रशिक्षण

लखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बारे में जानकारी के लिए अब आपको किसी इंस्टीट्यूट में जाने की जरूरत नहीं है। आप घर बैठे आनलाइन एआई की बारीकियां सीख सकते हैं। इसके लिए आपको उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करना होगा। तीन घंटे के प्रशिक्षण के बाद आपको प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

दूसरी मंजिल से फेंका मलबा राहगीर पर गिरा, मौत

लखनऊ में गिरी निर्माणाधीन दीवार

घटना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ के चिनहट इलाके में मंगलवार सुबह दर्दनाक हादसे में एक राहगीर की मौत हो गई। निर्माणाधीन मकान की दूसरी मंजिल से फेंकी गई मलबे से भरी बोरी नीचे से गुजर रहे व्यक्ति के ऊपर गिर गई। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, ग्राम नौबस्ता कला स्थित वसुंधरा विहार में विशाल तिवारी के मकान में निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान मजदूरों ने बिना नीचे देखे दूसरी मंजिल से मलबे की बोरी सड़क पर फेंक दी। उसी समय वहां

से गुजर रहे अनूप कुमार सिंह (36) निवासी कुंडौली, देवरिया उसके चपेट में आ गए। हादसे के बाद कॉलोनी के लोगों ने घायल अनूप को तुरंत डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची चिनहट पुलिस ने निर्माण कार्य करा रहे व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

आगरा और फर्रुखाबाद के यूपी बोर्ड व सीबीएसई टॉपर्स को मिला सम्मान

अखिलेश यादव ने मेधावी छात्रों को लैपटॉप देकर किया सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय विक्रमादित्य मार्ग स्थित कार्यक्रम में यूपी बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आगरा और फर्रुखाबाद के मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही छात्रों के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। आगरा जनपद की छात्रा सपना ने यूपी बोर्ड परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया। वहीं आईसीएसई बोर्ड परीक्षा में वैष्णवी यादव ने

94.50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। यूपी बोर्ड में 96.50 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले बिन्देश निषाद ने आगरा में पहला और प्रदेश में आठवां स्थान प्राप्त किया। मुस्कान यादव को 96.17 प्रतिशत अंक मिले, जिससे उन्हें

कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद

इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा, चन्द्रदेव राम यादव, विधायक जयकिशन साहू, पूर्व एमएलसी डॉ. राजपाल कश्यप, सुनील सिंह साजन, डॉ. नवल किशोर शाक्य और पूजा शुक्ला सहित कई प्रमुख नेता मौजूद रहे।

फर्रुखाबाद के टॉपर्स को भी मिला लैपटॉप

फर्रुखाबाद जिले में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। एसके इंटर कॉलेज मंझना की छात्रा अंशिका यादव ने 97.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम और प्रदेश में चौथा स्थान हासिल किया। राजवीर इंटर कॉलेज कमालगंज की छात्रा रिद्धिमा वर्मा ने 96.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में दूसरा और प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त किया। वहीं नैन्सी सिंह को 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान मिलने पर लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया। फर्रुखाबाद के मेधावियों को सम्मानित करने में नरेंद्र सिंह यादव, मनोज मिश्रा, जिलाध्यक्ष चन्द्रपाल यादव और डॉ. नवल किशोर शाक्य का सहयोग रहा।

जिले में दूसरा और प्रदेश में नौवां स्थान मिला। सीबीएसई बोर्ड की छात्रा अलीमा अली ने 95.50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि शिवानी जाटव ने यूपी बोर्ड परीक्षा में 90.30 प्रतिशत अंक हासिल कर दलित समाज में जिले में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए। अभय प्रताप सिंह धाकरे ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 91.02 प्रतिशत अंक प्राप्त कर आगरा में छठवां स्थान हासिल किया।

भाषा दक्षता और तार्किक सोच बढ़ाने पर फोकस

सरकारी स्कूलों में 'पठन संस्कृति' को बढ़ावा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए योगी सरकार अब किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर उनके भीतर 'पठन संस्कृति' को मजबूत करने में जुट गई है। नए शैक्षिक सत्र 2026-27 की शुरुआत के साथ ही शासन ने परिषदीय और माध्यमिक विद्यालयों में 'समाचार-पत्र पठन' और व्यवस्थित रूप से पढ़ने की आदतों को विकसित करने के लिए कड़े और नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रटने की प्रवृत्ति को खत्म कर उनके भीतर भाषा दक्षता, तार्किक सोच, बेहतर संवाद क्षमता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को निखारना है। अपर मुख्य सचिव (बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा) ने इस योजना को

जमीनी स्तर पर उतारने के लिए सभी शिक्षा अधिकारियों को व्यक्तिगत जिम्मेदारी सौंप दी है।

योगी सरकार का यह नया कदम बच्चों के बढ़ते 'स्क्रीन टाइम' (मोबाइल-टीवी की लत) को कम करने और उन्हें प्रिंट मीडिया व किताबों की दुनिया से वापस जोड़ने की एक बड़ी कवायद है। नए निर्देशों के तहत अब प्रदेश के सभी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई को केवल तय पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि विद्यालयों में एक समर्पित पढ़ने का घंटा निर्धारित किया जाएगा।

'प्रेमानंदजी जब तक ठीक नहीं होंगे, इंतजार करेंगे'

बंगाल से आई भक्त, संत की तबीयत में सुधार, सिर्फ चुनिंदा शिष्यों से ही मिल रहें

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। महाराज जी अभी दर्शन नहीं दे रहे हैं। कोई बात नहीं, अभी हम सब यहां रुककर इंतजार करेंगे। मुझे राधा-रानी पर भरोसा है। जल्द ही प्रेमानंद महाराजजी स्वस्थ होंगे। फिर हम लोग आशीर्वाद लेकर घर जाएंगे। यह कहना है 1400 किमी दूर कोलकाता से वृंदावन आई महिला श्रद्धालु जूही भावनी का। इनकी तरह राजस्थान, असम, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार समेत कई राज्यों से भक्त प्रेमानंदजी के दर्शन करने पहुंच रहे हैं, लेकिन प्रेमानंदजी की तबीयत 10 दिनों से खराब है। इसलिए भक्त उनका दर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

सोमवार को प्रेमानंदजी का एक वीडियो सामने आया। इसमें उन्होंने

भावुक अपील की। कहा- मैं रहूं या न रहूं, मेरी चिंता मत करिए। इसके बाद से शिष्य उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। इसी बीच, आश्रम से जुड़े शिष्यों ने बताया- अब महाराजजी की तबीयत में सुधार हुआ है। वह सिर्फ चुनिंदा शिष्यों (शरणागत) से मिल रहे हैं।

प्रेमानंद महाराजजी की दोनों किडनी खराब हैं। उनकी हफ्ते में 2-3 बार डायलिसिस हो रही है। रिपोर्टर ने प्रेमानंदजी के वृंदावन स्थित आश्रम पहुंचकर भक्तों और सेवादारों से बात की।

राजस्थान के जालम सिंह बोले- गुरुदेव हृदय के अंदर ही मिलेंगे

560 किमी दूर राजस्थान के पाली से वृंदावन आश्रम आए भक्त जालम सिंह ने कहा- संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए आए हैं। मुलाकात नहीं हुई। मोबाइल पर ही महाराजजी की बातें सुनने को मिल रही हैं। प्रेमानंदजी के भावुक संदेश पर जालम सिंह ने कहा- ध्यान करेंगे तो गुरुदेव हृदय के अंदर ही हैं। गुरुदेव ने जो ज्ञान के रास्ते बताए हैं, उसके हिसाब से चलेंगे तो गुरुदेव हृदय के अंदर ही मिलेंगे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर

पत्रांक 253/न.पा.प.टा./2026-27 दिनांकः 26/05/2026

अति अल्पकालीन पुनः ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में A/B/C/D/E श्रेणी (जैसा लागू हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर वंदन योजना के अन्तर्गत 1 निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसमें एकल निविदा प्राप्त होने के कारण पुनः ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1- कार्य का विवरण वेबसाइट https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन कर देखा जा सकता है।
2- वेबसाइट पर विड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि दिनांक 27.05.2026 से दिनांक 05.06.2026 तक।
3- प्री-विड मीटिंग की तिथि व समय दिनांक 01.06.2026 समय 12:00 बजे।
4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय दिनांक 05.06.2026 समय 12:00 बजे।
5- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि / समय दिनांक 05.06.2026 समय अपरान्ह 02:00 बजे।
6- निविदा आमंत्रणकर्ता को आई०टी०बी० के क्लाज-9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल की निगरानी रखें।
7- अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, टाण्डा
अम्बेडकरनगर

खिड़कियों से गिरे लोग, 25 घायल, एक का पैर कटकर अलग, उन्नाव में हादसा

एक्सप्रेस-वे पर एसी बस पलटी, 7 की मौत

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

तउन्नाव। उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर AC बस मंगलवार सुबह करीब 5 बजे अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दरोगा-कैदी समेत 7 यात्रियों की मौत हो गई। 3 पुलिसकर्मी समेत 25 लोग घायल हैं। दिल्ली से बिहार जा रही बस में 36 यात्री सवार थे।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस तेज रफ्तार में थी। अचानक ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया। बस डिवाइडर से टकराकर किनारे लगी रेलिंग पर लटक गई। इससे कई यात्री बस की

खिड़कियों से एक्सप्रेस-वे के नीचे गिर गए। एक का पैर कटकर अलग हो गया। हादसा औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 262 के पास हुआ। मृतकों में बिहार के सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (59) और गुरुग्राम निवासी कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर (59) भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, सीवान पुलिस की टीम 24 मई को कैदी को गुरुग्राम कोर्ट में पेशी के लिए लेकर गई थी। घायल यात्री बृजेश कुमार ने बताया कि वह हरियाणा के बल्लभगढ़ के रहने वाले हैं। रात के वक्त बस में सो रहे थे। अचानक तेज झटका लगा। धमाके जैसी आवाज हुई। इससे पहले कुछ समझ पाते सामने अंधेरा छा गया। होश आने पर खुद को सीएचसी में भर्ती पाया।

गंभीर घायल लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर

CHC में डॉक्टरों ने 6 यात्रियों को मृत घोषित कर दिया। बाकी को प्राथमिक इलाज के बाद लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान एक और घायल ने दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, बस में अधिकतर यात्री बस्ती, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर के रहने वाले थे। सीएम योगी ने हादसे का संज्ञान लिया है। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की है।

एक्सप्रेसवे पर लंबा जाम लगा

हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर करीब आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। लंबा जाम लग गया। मृतकों में दरोगा-कैदी के अलावा सुरेश कुमार जायसवाल निवासी मुंडेरा बाजार (गोरखपुर), विदेशी गुप्ता निवासी मदपुर (गोरखपुर), विजय कुमार निवासी फारेसन गोविंदपुर (बस्ती) शामिल हैं। 2 की पहचान अब भी बाकी है।

हादसे के बाद बस में यात्रियों का सामान बिखरा हुआ था। बस दिल्ली से बिहार जा रही थी।

> हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। एक्सप्रेस-वे के बगल में ढलान वाली जगह पर घायल तड़पते रहे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। 6-7 एंबुलेंस की मदद से 32 घायलों को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। फर्श पर खून ही खून फैल गया। घायल दर्द से कराहते रहे।

के.एम. अस्पताल में कैंसर मरीजों के लिए जगी नई उम्मीद

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए मथुरा का के.एम. मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल एक नया संबल और उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। अस्पताल ने अपने यहाँ कैंसर के इलाज के लिए अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय 'कैंसर केयर' सुविधाओं को और अधिक मजबूत किया है, ताकि ब्रज क्षेत्र के मरीजों को बड़े शहरों की ओर न भागना पड़े। वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. प्रीतेश आर. सिंह ने मरीजों और उनके परिजनों का हौसला बढ़ाते हुए एक बेहद महत्वपूर्ण बात कही। डॉ. प्रीतेश आर. सिंह ने अपने संदेश में कहा कैंसर केयर सिर्फ एक इलाज या थेरेपी नहीं है... यह मरीजों को एक नई उम्मीद देना, उनकी सही देखभाल करना और हर कदम पर उन्हें एक्सपर्ट गाइडेंस (विशेषज्ञ मार्गदर्शन) प्रदान करना है। कैंसर से जंग सही सकारात्मक सोच और सटीक इलाज से ही जीती जा सकती

वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. प्रीतेश आर. सिंह ने दिया 'कैंसर केयर' का विशेष संदेश

है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैंसर का नाम सुनते ही घबराने की जरूरत नहीं है। सही समय पर सही डॉक्टर की सलाह और मार्गदर्शन से इस बीमारी को पूरी तरह हराया जा सकता है। के.एम. मेडिकल कॉलेज में कैंसर के मरीजों के लिए शुरुआती जांच (डायग्नोसिस) से लेकर एडवांस कैंसर सर्जरी, कीमोथेरेपी और पोस्ट-ऑपरेटिव केयर की सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

फास्ट न्यूज

हाईकोर्ट ने कहा- हम रोबोट या सुपर कंप्यूटर नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान यह कहते हुए कड़ा संदेश दिया कि न्यायाधीशों पर मामलों का इतना भारी बोझ है कि वे सदैव कार्यरत रोबोट, सुपर कंप्यूटर या महामानव नहीं हैं, जिनसे तुरंत फैसले की अपेक्षा की जाए। न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र ने यह टिप्पणी उस स्थिति में की, जब राज्य सरकार के अधिकारी चार साल से अदालत के एक अंतरिम आदेश का पालन नहीं कर रहे थे।

वाराणसी में घूस लेकर जन्म तिथि बदल दी

वाराणसी। UP बोर्ड के वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय में बड़ा खुलासा हुआ है। यहां पर एक छात्र की मार्कशीट में जन्मतिथि के संशोधन के लिए 40 हजार रुपए घूस लेने का आरोप लगा है। संशोधन प्रमाण-पत्र पर उप सचिव साहब सिंह यादव के साइन मिले हैं। नियम के तहत क्षेत्रीय कार्यालयों में महज तीन वर्ष तक ही जन्मतिथि आदि में संशोधन करने का अधिकार है। इसके ऊपर संशोधन करने का अधिकार प्रयागराज स्थित यूपी बोर्ड मुख्यालय पर सचिव को है। अब संबंधित छात्र को जब मार्कशीट में कुछ गलत होने की आशंका हुई तो उसने सीधे UP बोर्ड, प्रयागराज के सचिव से शिकायत की है।

फर्स्ट रैंक वाली ओबीसी छात्रा को नहीं मिला कैंपस एडमिशन

वाराणसी। बीएचयू में एक बार फिर पीएचडी एडमिशन को लेकर विवाद सामने आया है। कॉमर्स फैकल्टी की एक छात्रा ने आरोप लगाया है कि ओबीसी वर्ग में पहला रैंक हासिल करने के बावजूद उसे मेन कैंपस की जगह डीएवी कॉलेज आवंटित कर दिया गया। मामले की शिकायत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग तक पहुंचने के बाद आयोग ने बीएचयू प्रशासन को नोटिस जारी किया है।

झांसी में मां के डांटने पर बेटी ने किया सुसाइड

भाई से चावल ज्यादा खाने को लेकर हुआ था झगड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में 17 साल की एक लड़की ने सुसाइड कर लिया। लड़की का अपने छोटे भाई से झगड़ा हो गया था। भाई ने अपनी थाली में चावल ज्यादा परोस लिए थे। इसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। काम से मां जबब घर लौटी तो भाई रोने लगा। इस पर मां ने लड़की को डांट दिया। तब अंकिता कमरे में चली गई और अंदर से कुंडी बंद कर ली। परिजनों ने आवाज दी, मगर उसने दरवाजा नहीं खोला। तब पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आकर किसी तरह दरवाजा खोला।

तब कमरे के अंदर लोहे के पाइप पर अंकिता साड़ी का फंदा बनाकर लटकी हुई थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला बड़ागांव थाना क्षेत्र के बाल टांडा गांव का है।

बड़ागांव के बाल टांडा गांव निवासी बिटोली वर्मा ने बताया- मैं और मेरी पत्नी ममता मजदूरी करते हैं। हमारी 3 बेटी मालती (20), अंकिता (17), गुल्लो (15) और दो बेटे जयदेव (12), भरे (7) थे। अभी सिर्फ बड़ी बेटी मालती की शादी हुई है। अंकिता पढ़ाई छोड़ चुकी थी और घर पर रहती थी। रोजाना की तरह मैं अपनी पत्नी ममता के साथ मजदूरी पर गया था। बच्चे घर पर थे। खाने के लिए दाल-चावल बनाकर गए थे। दोपहर में जयदेव ने चावल ज्यादा परोस लिए, जबकि अंकिता को कम चावल मिले।

दोपहर में लूट की, शाम को एनकाउंटर हुआ, दो सिपाही भी घायल

अलीगढ़ में महिलाओं को लूटने वाले 2 बदमाश ढेर

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़ । अलीगढ़ में महिलाओं को लूटने वाले 2 बदमाशों को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। बदमाशों ने रविवार दोपहर भी एक महिला से कुंडल लूटे थे। इसके बाद से पुलिस उनकी घेराबंदी में जुटी थी।

पुलिस ने देर शाम बदमाशों को मढौली गांव के पास घेर लिया। इसके बाद हुई मुठभेड़ में दोनों बदमाश ढेर हो गए। मारे गए बदमाश रजा मोहम्मद पर 40 मुकदमे दर्ज हैं। वह रजापुर गांव के सिंभावली थाना क्षेत्र (हापुड़) का रहने वाला था। जबकि मोमीन बुलंदशहर का रहने वाला था। उस

पर 27 मुकदमे दर्ज हैं। मुठभेड़ में 2 सिपाही भी घायल हुए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। पीड़ित महिलाओं और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की थी। गांववालों ने बताया था कि दिनदहाड़े हुई इस घटना से महिलाओं में डर था। लोगों ने इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की थी। मडराक थाने में इस मामले की रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी। इसके बाद से पुलिस बदमाशों की तलाश में लगी

दोनों बदमाश इसी बाइक से जा रहे थे। तभी पुलिस ने उनकी घेराबंदी की।

महिला से फिर लूट, फिर पुलिस ने घेरा

सूचना मिलते ही पुलिस ने यूपी-112 के जरिए इलाके की घेराबंदी कर दी। बदमाशों को सरेंडर करने के लिए कहा गया। लेकिन, उन्होंने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली पुलिस की गाड़ी पर लगी। एसओ अतरौली और एसओ हरदुआगंज की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोली लगी। वहीं, 2 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों की मौत हो गई। उनकी पहचान रजा मोहम्मद और मोमीन के रूप में हुई।

17 मई से कर रहे थे लूट

17 मई की दोपहर के समय भकरोला गांव की रहने वाली सीमा देवी, कुंती देवी, सुनीता, गुड़िया, प्रेमलता, कमलेश, रेखा, पूनम, ललितेश और कमलेश समेतत कई महिलाएं खेत गई थीं। इसी दौरान वहां बाइक से 2 युवक पहुंचे और तमंचा दिखाकर महिलाओं को डरा दिया। उसके बाद बदमाशों ने महिलाओं से जबरन उनके कुंडल और पाजेब समेत अन्य जेवर उतरवा लिए। जब महिलाओं ने विरोध किया तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी बाइक से भाग गए थे।

हुई थी। आज दोपहर करीब साढ़े 3 बजे अतरौली थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा में रहने वाली पुष्पा देवी जानवर लेकर खेत से घर जा रही थीं।

2 मिनट तक सिर पानी में दबाए रखा, छटपटाता रहा, किसी ने मदद नहीं की

संभल में युवक को स्विमिंग पूल में डुबोकर मार डाला

तमसा संकेत,एजेंसी

संभल। संभल में सोमवार दोपहर 18 साल के एक युवक को उसके गांव के युवक ने स्विमिंग पूल में डुबोकर मार दिया। उस वक्त स्विमिंग पूल में कई लोग नहा रहे थे। घटना का CCTV सामने आया है। आरोपी ने 2 मिनट तक युवक का सिर पानी में दबाए रखा। युवक छटपटाता रहा, मदद के लिए अपने दोनों हाथ हवा में उठाए। लेकिन न तो किसी ने मदद की और न ही आरोपी ने उसे छोड़ा। जब युवक की मौत हो गई तो आरोपी स्विमिंग पूल से बाहर आ गया।

इसके बाद युवक का शव स्विमिंग पूल की तलहटी में चला गया। थोड़ी देर बाद जब अन्य लोग

नहाने पहुंचे तो शव एक व्यक्ति के पैर से टकराया, तब लोगों को पता चला। आरोपी की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस उसकी तलाश में लगी है। घटना नखासा के गांव सलारपुर कलां की है। पिपली रामपुर मिलक में रईस अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी और उसके सात बच्चे हैं। इनमें मोहम्मद साने आलम (25), नजरे आलम (20), सोहिल (18), फैज आलम (16), मोहम्मद साहिल (11), गुलिस्ता (22) और फिजा (19) शामिल हैं।

सीन 3- सोहिल ने तैरकर किनारे आने की कोशिश की, लेकिन 4 सेकंड बाद वह पानी में नीचे डूब गया।

2 मिनट तक छटपटाता रहा

सीसीटीवी में सोहिल सोमवार दोपहर करीब ढाई बजे एक अन्य युवक के साथ स्विमिंग पूल में नहा रहा था। तभी सोहिल के साथी ने उसका सिर पानी में दबा दिया। वह छटपटाने लगा। उसने ऊपर आने की कोशिश की, लेकिन युवक ने पूरी ताकत से उसे नीचे दबाए रखा। आरोपी इस दौरान इधर-उधर देखता भी रहा।

इस बीच कई लोग पूल में नहाने के लिए कूदे। आरोपी ने करीब 2 मिनट बाद सोहिल को छोड़ दिया। इसके बाद सोहिल 4 सेकंड के लिए पानी के ऊपर आया, उसने तैरकर बाहर आने की कोशिश भी की, लेकिन फिर डूब गया।

बीएसए कॉलेज में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक

विश्वविद्यालय परीक्षाओं को लेकर प्रशासन सख्त

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। डॉ भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय द्वारा बीएसए वालीजको एलएलबी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष, बीए एलएलबी प्रथम से पंचम वर्ष तथा बीएड प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की विश्वविद्यालयीय परीक्षाओं हेतु नोडल परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इन परीक्षाओं में बीएसए कॉलेज के अलावा करीब 10 अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं भी शामिल हो रहे हैं, जिसके चलते कॉलेज परिसर में व्यापक एवं संवेदनशील परीक्षा व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। प्रतिदिन लगभग सात हजार परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंच रहे हैं। महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार एलएलबी, बीएड एवं अन्य

विश्वविद्यालयीय परीक्षाएं 25 मई से प्रारंभ हो चुकी हैं और जून माह तक संचालित रहेंगी। वहीं इंदिरा गांधी नेशनल ओपनयूनिवर्सिटी परीक्षाएं जून एवं जुलाई तक आयोजित की जानी हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालय से संबंधित परीक्षा प्रणाली होने के कारण गोपनीयता एवं सुरक्षा के विशेष मानकों का पालन किया जा रहा है। कॉलेज परिसर में प्रश्नपत्र, उत्तर पुस्तिकाएं, गोपनीय अभिलेख एवं अन्य परीक्षा सामग्री सुरक्षित रखी गई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रश्नपत्रों एवं उत्तर पुस्तिकाओं के आगमन, संरक्षण और प्रेषण की पूरी प्रक्रिया अत्यंत गोपनीय रखी जाती है तथा सुरक्षा कारणों से इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती।

इसी को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय प्रशासन ने 27 एवं 28 मई को विशेष प्रशासनिक व्यवस्था लागू करते हुए अवकाश अवधि में केवल परीक्षा कार्य से जुड़े अधिकृत शिक्षक एवं कर्मचारियों को ही परिसर में प्रवेश की अनुमति देने का निर्णय लिया है। किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

'2.5 करोड़ की...

अराजकता का तांडव होता था। गुंडागर्दी थी। बेटियां सुरक्षित नहीं थीं।

मगर अब प्रयागराज की स्थिति काफी अलग है। डबल इंजन की सरकार में सरकार की सख्त नीतियों और प्रभावी प्रशासनिक कार्रवाई के कारण प्रयागराज में कानून-व्यवस्था की स्थिति मजबूत हुई है। अपराध और माफिया गतिविधियों को खत्म किया।

वर्तमान में प्रयागराज विकास, सुरक्षा और सुशासन का प्रतीक बनकर उभरा है। इससे पहले सीएम ने 400 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। नगर निगम के नव-निर्मित सदन हॉल का शिलान्यास किया। सफाई कर्मियों को किट दी। सफाई गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मंच पर मेयर ने पौधा देकर सीएम का स्वागत किया। उनके पैर छूकर आशिर्वाद लिया। मंच पर सीएम योगी के साथ जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह और मंत्री नंद गोपाल नंदी भी मौजूद रहे।

नगर निगम के कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री संगम क्षेत्र पहुंचे। यहां VIP घाट पर उन्होंने मां गंगा की पूजा-अर्चना कर आरती की। मां गंगा का दूध, पंचामृत और जल से अभिषेक किया।

सीएम ने मां गंगा की पूजा अर्चना करने के बाद मां गंगा का दूध, पंचामृत और जल से अभिषेक किया। इस दौराना सीएम के साथ भाजपा के कई बड़े नेता भी साथ रहे।

वीआईपी घाट पर सीएम योगी ने मां गंगा की पूजा अर्चना की। उन्होंने अपनी जेब से 500 रुपए निकाले। रुपयों को हाथ पर रखकर पूजा की। संकल्प लिया।

माफिया ने रास्ते ...

कोर्ट ने राज्य सरकार से ताजा हलफनामा दाखिल कर जवाब मांगा है। इस पर मध्यप्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि यदि रिपोर्ट सही है तो मामला "चौंकाने वाला" है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अवैध रेत खनन से घड़ियाल अभयारण्य जैसे संरक्षित वन्यजीव आवासों को नुकसान पहुंच रहा है। बिना पहचान वाले वाहनों की आवाजाही और इलाके के महत्वपूर्ण ढांचे पर खतरा भी गंभीर चिंता का विषय है। अदालत ने संकेत दिए कि निगरानी और रोकथाम के लिए आगे और सख्त निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच कर रही है। इससे पहले 20 मई को राजस्थान के पांच जिलों और मध्यप्रदेश के परिवहन सचिव मनीष सिंह कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए थे।

मध्यप्रदेश सरकार की ओर से कोर्ट में पेश कॉम्प्लायंस एफिडेविट में बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली और अवैध रेत परिवहन के खिलाफ कार्रवाई का ब्यौरा दिया गया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही राज्य की निगरानी व्यवस्था को शुरुआती स्तर की बताते हुए नाराजगी जता चुका है।

जनसंख्या में जहां ...

कमिटी अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या बदलाव का कारण जानेगी।

धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के पैटर्न का अनालिसिस करके समाधान भी पेश करेगी।

कर्नाटक सीएम...

हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को सीएम पद छोड़ने का कहा है। उन्हें राज्यसभा जाने का ऑफर दिया है, लेकिन सिद्धारमैया ने सीएम पद छोड़ने से इनकार किया है।

वहीं, कर्नाटक सरकार में मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा था कि दिल्ली में होने वाली बैठक का मकसद पार्टी के अंदर चल रहे मुद्दों को सुलझाना है। कांग्रेस कार्यकर्ता गृह मंत्री जी परमेश्वर के समर्थन में भी आवाज उठा रहे हैं। इससे पार्टी के अंदर शक्ति संतुलन की चर्चा और तेज हो गई है।

इससे पहले सोमवार को जब खड़गे से कर्नाटक की राजनीतिक स्थिति पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा- मैं इस पर टिप्पणी नहीं करूंगा। राहुल जी बोलेंगे।

खड़गे के इसी बयान को लेकर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष केवल नाम के अध्यक्ष हैं और पार्टी रिमोट कंट्रोल से चल रही है। इतने बड़े मुद्दे पर खड़गे कह रहे हैं कि राहुल गांधी जवाब देंगे। इससे साफ है कि असली ताकत किसके पास है।

'भाजपा सरकार में ...

उन्होंने कहा कि इससे पुलिस व्यवस्था में भ्रष्टाचार बढ़ता है और कानून व्यवस्था बेहतर होने के बजाय और बिगड़ती है। उन्होंने यह भी कहा कि फर्जी एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों को बाद में कानूनी और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

सपा प्रमुख ने कहा कि ऐसी घटनाओं से लोगों का कानून और न्याय व्यवस्था से भरोसा उठता है, जो लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार डेटा छिपाने का काम करती है। उन्होंने हाथरस कांड का जिक्र करते हुए कहा कि 2020 में हाथरस की बेटी के साथ अन्याय हुआ था और अब 2026 में गाजीपुर और हरदोई में भी ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में महिलाएं और बेटियां सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ रहे हैं और रुपये की कीमत गिर रही है। उन्होंने कहा कि "डॉलर जितना ऊपर जाएगा, चाय उतनी महंगी होती जाएगी।"

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एडवोकेट गजेन्द्र सिंह ने उत्तर प्रदेश में कथित फर्जी एनकाउंटर को लेकर मानवाधिकार रिपोर्ट की जानकारी साझा की। वहीं गाजीपुर के सपा नेता सत्या यादव ने जेल में पुलिस द्वारा किए गए कथित उत्पीड़न की बात कही। इसके अलावा सपा नेता रमाशंकर राजभर ने राजभर समाज के युवाओं के फर्जी एनकाउंटर का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। हरदोई के बीरेन्द्र कुशवाहा ने अपनी बहन शिल्पी कुशवाहा की हत्या और परिवार के उत्पीड़न का मुद्दा उठाते हुए न्याय की मांग की।

24 घंटे में खुला रिश्तों...

धीरे-धीरे तीन और युवक इस योजना में जुड़ते गए। पूरी टीम ने मिलकर एक ऐसा प्लान तैयार किया, जिसमें वारदात के बाद किसी पर शक न जाए। लेकिन पुलिस की सर्विलांस और तकनीकी जांच ने इस 'परफेक्ट प्लान' की परतें खोलनी शुरू कर दीं।

आरोपियों को पता था कि अजय रोज सुबह अकेले दूध लेकर निकलता है। इसी रूट को चुनकर वारदात को अंजाम दिया गया। इसके बाद पूरी वारदात को अंजाम दिया गया और सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

लगातार निगरानी और मुखबिर की सूचना पर मंगलवार सुबह पुलिस ने नारायणपुर घाट रामबाबा मोड़ के पास दबिश दी। यहां से चार युवकों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ शुरू हुई तो शुरुआत में आरोपी बचने की कोशिश करते रहे, लेकिन तकनीकी सबूतों और कॉल डिटेल्स के सामने पूरा खेल खुलता चला गया। पुलिस का दावा है कि यह पूरी तरह सुनियोजित हत्या थी, जिसमें कई लोग शामिल थे। चारों आरोपियों ने हत्या की साजिश और वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार कर ली है।

राम रहीम फिर जेल ...

सिरसा डेरे में राम रहीम के काफिले की एंट्री पिछले गेट से हुई। डेरामुखी के सिरसा पहुंचने के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है।

साध्वी यौन शोषण मामले में राम रहीम को 20 साल की सजा सुनाई गई थी। वह सुनारिया जेल में सजा काट रहा है। बीती 5 जनवरी को 40 दिन की पैरोल पर जेल से बाहर आया था। उस वक्त शाह सतनाम दिवस था।

लांग लिस्ट में नाम नहीं, ट्रायल जीतीं तो भी ओसीए करेगा अंतिम फैसला, हाईकोर्ट से राहत मिली

विनेश फोगाट के एशियन गेम्स खेलने की गारंटी नहीं

सुनवाई

पंचकूला, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर ट्रायल में हिस्सा लेने की छूट के बाद भी रेसलर विनेश फोगाट के जापान में एशियन गेम्स-2026 खेलने की गारंटी नहीं है। 19 सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भेजी गई संभावित खिलाड़ियों (लांग लिस्ट) में विनेश का नाम नहीं है।

भारतीय कुश्ती फेडरेशन (WFI) की ओर से इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन (IOC) को भेजी सूची में इस रेसलर का नाम नहीं था। आईओसी ने यही लिस्ट आगे एशियन ओलंपिक परिषद (OCA) और जापान की आयोजन समिति को भेजी।

रेसलर विनेश फोगाट मई महीने की शुरुआत में गोंडा भी गईं थी, जहां ट्रायल के लिए घरेलू टूर्नामेंट हुआ। (फाइल)

ऐसे में अब OCA के रुख पर बहुत कुछ निर्भर करेगा।

बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने विनेश की याचिका पर सुनवाई करते हुए 23 मई को फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि मातृत्व (Motherhood) को किसी महिला खिलाड़ी के खिलाफ हथियार नहीं बनाया जा सकता। इसमें विनेश को ट्रायल में हिस्सा लेने की रियायत दी गई थी। यह ट्रायल 30 और 31 मई को होने हैं। भारतीय कुश्ती महासंघ ने उनके मातृत्व अवकाश और अन्य कारणों का हवाला देते हुए उन्हें शुरुआत में अयोग्य ठहराया था, जिसके कारण उनका नाम लांग लिस्ट में नहीं भेजा। ट्रायल जीतना पहली शर्तः दिल्ली हाईकोर्ट ने केवल उन्हें ट्रायल में शामिल होने का अधिकार दिया है। एशियन गेम्स की टिकट पक्की करने के लिए विनेश को पहले अपनी वेट कैटेगरी का ट्रायल जीतना होगा। 57 किलो वेट कैटेगरी में विनेश का मुकाबला मनीषा भानवाला और नेहा शर्मा से होगा। मनीषा एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड और नेहा अंडर- 23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं।

विनेश ने वीडियो जारी कर WFI के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। फाइल

बृजभूषण बोले थे- आरोप सही हुए तो फांसी पर लटक जाऊंगा

इन आरोपों पर कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण ने सफाई देते हुए कहा था- किसी भी तरह का उत्पीड़न नहीं हुआ है। अगर हुआ है तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। उन्होंने धरने को स्पॉन्सर्ड बताते हुए इसके पीछे हरियाणा कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा को बताया था। उन्होंने कहा था कि अब ये खिलाड़ी नेशनल लेवल पर भी खेलने योग्य नहीं रहे।

कुश्ती महासंघ ने एंटी-डोपिंग नियमों का हवाला देकर लगाया था बैन

डब्ल्यूएफआई ने एंटी-डोपिंग नियमों के तहत संन्यास से वापसी करने वाले एथलीटों के लिए अनिवार्य छह महीने की नोटिस अवधि का हवाला देते हुए फोगाट को 26 जून, 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया था। कुश्ती महासंघ ने लिखा था कि विनेश ने संन्यास से वापसी के लिए छह महीने पहले सूचना नहीं दी। इससे WFI संविधान, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (UWW) नियमों तथा एंटी-डोपिंग प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। बता दें कि करीब 3 साल पहले विनेश ने बृजभूषण पर महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसे लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ धरना भी दिया था।

स्पेन वर्ल्डकप स्क्वॉड में रियल मैड्रिड का कोई खिलाड़ी नहीं

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेन ने FIFA फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। वर्ल्ड कप के 92 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि स्पेनिश फुटबॉल क्लब 'रियल मैड्रिड' का कोई खिलाड़ी स्पेन की टीम में शामिल नहीं है।

स्पेन के कोच डी ला फुएंते ने कहा, "मैं किसी क्लब को देखकर खिलाड़ी नहीं चुनता। मेरे लिए सिर्फ यह जरूरी है कि खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व महसूस करें।'इस सीजन रियल मैड्रिड कोई ट्रॉफी नहीं जीत सकी और ला लीगा में बार्सिलोना से आठ अंक पीछे रही। टीम में बार्सिलोना के 18 साल के स्टार खिलाड़ी लामिन यामल को जगह मिली है। स्पेन ने यूरो कप 2024 का खिताब जीता था। यामल को यंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। यामल पिछले महीने बार्सिलोना के लिए खेलते हुए हैमस्ट्रिंग चोट का शिकार हो गए थे। इसके बावजूद कोच लुइस डी ला फुएंते ने उन्हें टीम में रखा है। एथलेटिक बिलबाओ के निको विलियम्स भी चोट से जूझ रहे हैं, लेकिन उन्हें भी स्क्वॉड में जगह मिली है। स्पेन की टीम में प्रीमियर लीग के सात खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें आर्सेनल के डेविड राया, मार्टिन जुबिमेंडी और मिकेल मेरिनो, टोटेनहैम के पेड्रो पोरो, चेल्सी के मार्क कुकुरेला, मैनचेस्टर सिटी के रॉड्री और क्रिस्टल पैलेस के येरेमी पीनो शामिल हैं।

92 साल में ऐसा पहली बार कोच बोले- किसी क्लब को देखकर खिलाड़ी नहीं चुनता

वैभव सूर्यवंशी टी-20 में डबल सेंचुरी बनाना चाहते हैं

बोले- हाफ सेंचुरी में दिलचस्पी नहीं

दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी T20 में 200 रन का पर्सनल स्कोर बनाना चाहते हैं। 15 साल के क्रिकेटर ने कहा कि उनका लक्ष्य IPL में वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के 175 रन के रिकॉर्ड को तोड़ना है। वैभव ने इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ अर्धशतक बनाने में दिलचस्पी नहीं है, बल्कि वे T20 क्रिकेट का पहला दोहरा शतक बनाना चाहते हैं। वैभव इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए उन्होंने इस सीजन के 14 मैचों में 583 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 232 से ज्यादा है। 53 छक्के लगाए हैं, जो किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा एक IPL सीजन में सबसे ज्यादा हैं।

वैभव ने अपने डेब्यू IPL सीजन 2025 में गुजरात के खिलाफ 35 गेंद पर शतक लगाया था। यह IPL में किसी भी भारतीय का सबसे तेज शतक था। उन्होंने इस सीजन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 36 गेंद पर शतक लगाया था। उन्होंने अपनी दोनों सेंचुरी जयपुर में लगाई है। क्रिस गेल ने IPL 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते हुए पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 66 गेंद पर नाबाद 175 रन बनाए थे। यह टी20 क्रिकेट में किसी बल्लेबाज की सबसे बड़ी पारी है। गेल ने उसी मैच में 30 गेंदों में शतक लगाया था, जो IPL का सबसे तेज शतक था।

पहले दौर में हारे, 19 साल के राफेल जोदार ने डेब्यू मैच में सुर्खियां बटोरी

वावरिंका ने इमोशनल होकर फ्रेंच ओपन को अलविदा कहा

पेरिस, एजेंसी

स्विट्जरलैंड के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी स्टेन वावरिंका ने सोमवार को पहले दौर में हार के साथ फ्रेंच ओपन को भावुक विदाई दी। 41 साल के वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वे इस सत्र के अंत में संन्यास ले लेंगे। उन्हें नीदरलैंड के जेस्पर डी जोंग ने 6-3, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया।

वहीं, 19 साल के स्पेनिश स्टार राफेल जोदार ने डेब्यू में सबका ध्यान खींचा। उन्होंने अलेक्जेंडर कोवाचेविच को 6-1, 6-0, 6-4 से हराया। जोदार ने पूरे मैच में सिर्फ पांच गेम गंवाए। फ्रेंच ओपन डेब्यू में इससे कम गेम नोवाक जोकोविच ने 2005 में गंवाए थे।

विमेंस सिंगल्स में चार बार की चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-3 इगा स्वियातेक ने पहले दौर में डेब्यू कर रहीं इमर्सन जोन्स को 6-1, 6-2 से हराया। उन्हें दाएं हाथ की उंगली के छाले के लिए ट्रेनर की मदद लेनी पड़ी।

जीत के बाद डी जोंग ने दर्शकों से वावरिंका के सम्मान में तालियां बजाने को कहा। वावरिंका 2015 में फ्रेंच ओपन के चैंपियन रहे थे, जबकि 2017 में उपविजेता बने थे। मैच से पहले दर्शकों ने खड़े होकर वावरिंका का स्वागत किया। विदाई से पहले वावरिंका ने दर्शकों के साथ मैक्सिकन वेव की।

मुकाबले के बाद वावरिंका ने स्टेडियम में अपने करियर के यादगार पलों का वीडियो देखा।

स्वियातेक की आसान जीत, नडाल के कोच से ट्रेनिंग ले रहीं

महिला वर्ग में चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक ने इमर्सन जोन्स को 6-1, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। हालांकि मैच के दौरान उन्हें दाहिने हाथ की उंगली में परेशानी के कारण मेडिकल सहायता लेनी पड़ी।

हाल ही में स्वियातेक ने राफेल नडाल के साथ काम कर चुके फ्रांसिस्को रोइग को अपने जोड़ा है। उन्होंने कहा कि लगातार खिताब जीतने के बाद उम्मीदें बढ़ जाती हैं। इसलिए विनम्र रहना और हर मैच को नए सिरे से खेलना जरूरी होता है।

मनोरंजन

धुरंधर 3 की शूटिंग के कयास, एयरपोर्ट पर को-स्टार अर्जुन रामपाल के साथ दिखे

बैन के बावजूद शूटिंग करेंगे रणवीर सिंह !

नई दिल्ली। फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 छोड़ने से रणवीर सिंह विवादों में फंस चुके हैं। फरहान अख्तर की शिकायत के बाद FWICE (फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न सिने एप्लॉय्ज) ने सोमवार को एक्टर पर बैन लगा दिया है। ऐसे में वो डॉन 3 विवाद खत्म होने तक कोई फिल्म नहीं कर सकेंगे। इसकी दूसरी तरफ रणवीर सिंह सोमवार देर रात मुंबई से रवाना हुए हैं, जिससे धुरंधर 3 की शूटिंग के कयास लगाए जा रहे हैं।

रणवीर सिंह बैन की घोषणा होने के बाद देर रात मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। एयरपोर्ट पर उन्होंने लंबे बालों को बांध रखा था और सफेद कुर्ते-पजामे के साथ काली जैकेट पहनी थी। धुरंधर की सक्सेस के बाद रणवीर सिंह ने फरहान अख्तर की फिल्म डॉन 3 अचानक छोड़ दी, जिसकी घोषणा 2023 में रणवीर के साथ हुई थी। मेकर्स का दावा है कि इससे उनका 45 करोड़ का नुकसान हुआ। पहले इस मामले की शिकायत प्रोड्यूसर गिल्ड में की गई, जिसके बाद ये मामला FWICE के पास पहुंचा। मामले को गंभीरता से लेते हुए फेडरेशन ने रणवीर सिंह को अलग-अलग मौकों पर 3 नोटिस भेजे, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि ये लीगल मामला है, जो फेडरेशन द्वारा नहीं बल्कि कोर्ट के जरिए सुलझाना चाहिए।

रणवीर सिंह की टीम बोली- वे सोच-समझकर चुप

रणवीर सिंह के स्पोक पर्सन ने कहा- रणवीर सिंह फिल्म इंडस्ट्री और 'डॉन' फ्रैंचाइजी से जुड़े हर इंसान का दिल से सम्मान करते हैं। 'डॉन 3' को लेकर हाल ही में जो कुछ भी हुआ है, उस पर उन्होंने सोच-समझकर चुप रहना ही सही समझा। उनका मानना है कि काम से जुड़ी बातें और आपसी रिश्ते हमेशा गरिमा, समझदारी और आपसी सम्मान के साथ ही संभाले जाने चाहिए।

इस बीच कई तरह की बातें और अफवाहें सामने आई हैं, लेकिन रणवीर ने कभी भी सरेआम इस पर कोई सफाई देना या इन अटकलों को बढ़ावा देना जरूरी नहीं समझा। उनका पूरा ध्यान पूरी तरह से उनके काम और आने वाले प्रोजेक्ट्स पर है।

वे इस फिल्म से जुड़े सभी लोगों के लिए अपने दिल में सम्मान रखते हैं और चाहते हैं कि यह फ्रैंचाइजी आगे भी खूब कामयाब हो। ऐसे मुश्किल मौकों पर संयम और शालीनता बनाए रखना हमेशा से उनका अपना फैसला रहा है, और वे आगे भी इसी रुख पर कायम रहेंगे।

"आखिरकार फेडरेशन ने सोमवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस रख रणवीर सिंह पर बैन लगा दिया। ऐसे में रणवीर विवाद खत्म होने तक कोई नई फिल्म नहीं शूट कर सकेंगे।

शादी के 10 साल बाद मां बनीं दिव्यांका त्रिपाठी

41 की उम्र में जुड़वा बेटों को जन्म दिया

नई दिल्ली। टेलीविजन की पॉपुलर एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी शादी के 10 साल बाद मां बनी हैं। उन्होंने मंगलवार को मुंबई में जुड़वा बेटों को जन्म दिया है। एक्ट्रेस और उनके पति विवेक दाहिया ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को ये खुशखबरी दी है। दिव्यांका-विवेक ने आधिकारिक सोशल मीडिया में कोलेब पोस्ट जारी कर लिखा, 'आखिरकार इंतजार खत्म हो चुका है। हमारे बेटे आ गए हैं और जिंदगी अब पहले से भी ज्यादा खूबसूरत लग रही है। मेरे करण अर्जुन आ गए।' आगे कपल ने लिखा है, 'दिव्यांका और मुझे पेरेंटहुड के नए खूबसूरत सफर को शुरू करने के लिए आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरुरत है।'

शेयर की तस्वीर में लिखा गया है, हमने भगवान से खुशियां मांगीं और भगवान ने कहा, डबल ले लो। हमें जुड़वा बच्चे हुए हैं।

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक ने मार्च में फैंस को गुड न्यूज दी थी। एक्ट्रेस ने बेबी बंप की तस्वीरों के साथ लिखा था, '10 साल बाद कहानी में आया सबसे खूबसूरत ट्विस्ट। कुछ सफर जल्दी पूरे करने के लिए नहीं होते। वो साथ-साथ तैयार होने के लिए होते हैं। और जब आपको लगता है कि आपकी कहानी पूरी हो चुकी है। तभी जिंदगी उसमें सबसे खूबसूरत अध्याय जोड़ देती है। अब भी यकीन नहीं हो रहा।

बतौर एक्ट्रेस करिश्मा कपूर की आखिरी थिएटर्स रिलीज साल 2012 में फिल्म डेंजर इश्क के रूप में आई थी। इसके बाद वह लंबे समय तक एक्टिंग की दुनिया से दूर रहीं। इसके बाद उन्होंने नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज मर्डर मुबारक से कमबैक किया था और अब आने वाले समय में वह ब्राउन सीरीज में नजर आएंगी।

ओटीटी पर कब और कहां स्ट्रीम होगी क्राइम थ्रिलर ब्राउन?

जुर्म की दुनिया के दलदल में फंसी करिश्मा कपूर

नई दिल्ली। 90 के दशक की लोकप्रिय अदाकारा के तौर पर करिश्मा कपूर को जाना जाता है। बड़े पर्दे से दूरी बनाने वालीं करिश्मा ओटीटी पर कमबैक करने की कोशिश कर रही है। इस कड़ी में अब उनकी एक और ओटीटी सीरीज ब्राउन आ रही है, जिसका लेटेस्ट टीजर मेकर्स की तरफ से रिलीज कर दिया गया है।

ब्राउन वेब सीरीज में करिश्मा एक लेडी पुलिस ऑफिसर की भूमिका में मौजूद हैं और जुर्म की दुनिया के दलदल में फंसती हुई नजर आ रही हैं। आइए जानते हैं कि उनकी ये आने वाली सीरीज ओटीटी पर कब और कहां स्ट्रीम होगी।

ये वेब सीरीज मशहूर ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर ऑनलाइन स्ट्रीम की जाएगी। हालांकि, इसकी ओटीटी रिलीज की तारीख अभी साफ नहीं हुई है। ब्राउन का टीजर देखने से साफ होता है कि ये सीरीज एक क्राइम थ्रिलर में जिसमें नर बली का कॉन्सेप्ट दिखाया जाएगा। इसी जुर्म का पर्दाफाश करने के लिए रीता ब्राउन (करिश्मा कपूर) को ये केस सौंपा जाता है। हालांकि, इस केस के दौरान उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जो ये टीजर साफ-साफ बता रहा है। कुल मिलाकर कहा जाए तो करिश्मा कपूर की ब्राउन वेब सीरीज का टीजर काफी धांसू है और इसे देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट भी काफी हाई हो गई है।

ओटीटी पर आ रही है ब्राउन

हिंदी सिनेमा की लेडी सुपरस्टार के तौर पर करिश्मा कपूर को जाना जाता है। लेकिन अब उन्होंने अपने कमबैक की जिम्मेदारी पूरे तौर से अपने कंधों पर ले ली है और सोलो सीरीज ब्राउन के जरिए वह ऐसा करती हुई भी नजर आएंगी। सोमवार को मेकर्स की तरफ से करिश्मा कपूर की ब्राउन का लेटेस्ट टीजर रिलीज किया गया है, जिसमें अभिनेत्री लेडी पुलिस ऑफिसर रीता ब्राउन के किरदार में नजर आ रही हैं।

दिल्ली क्वाड बैठक : ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया

चर्चा

कहा- समुद्री रास्तों की आजादी जरूरी, जयशंकर बोले- 3 बड़े फैसलों पर सहमति बनी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की राजधानी दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक खत्म हो गई है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने होर्मुज का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा, 'ईरान की तरफ से होर्मुज स्ट्रेट बंद किए जाने का असर अब तेल और ऊर्जा सप्लाई पर दिखने लगा है। क्वाड देशों का कहना है कि समुद्री रास्ते खुले रहना जरूरी हैं और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर किसी तरह का टोल या रोक नहीं लगनी चाहिए।'

इस बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री शामिल हुए। अमेरिका की ओर से मार्को रूबियो, जापान से तोशिमित्सु मोतेगी और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पेनी वोंग मौजूद रहे।

विदेश मंत्री जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस होना चाहिए। जिन देशों पर आतंकी हमले होते हैं, उन्हें अपनी सुरक्षा का अधिकार है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बैठक में 3 बड़े फैसलों पर चर्चा की गई। क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने कहा कि फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (FOIP) को मजबूत करने में क्वाड की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इंडो-पैसिफिक देशों को इतना मजबूत बनाना जरूरी है कि वे अपना भविष्य खुद तय कर सकें। चारों देशों ने साफ किया है कि वे ताकत या दबाव के जरिए हालात बदलने की कोशिशों का विरोध करते हैं। इसके अलावा जापानी विदेश मंत्री ने बताया कि जरूरी खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) के निर्यात पर लग रही पाबंदियों को लेकर भी चिंता जताई गई। सप्लाई चेन मजबूत करने के लिए क्वाड ने नया क्रिटिकल मिनरल्स फ्रेमवर्क शुरू किया है। साथ ही उन्होंने बताया कि बैठक में उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और बिना रुकावट समुद्री आवाजाही बनाए रखने के लिए कूटनीतिक कोशिशों की जरूरत पर जोर दिया गया।

भारत-अमेरिका के बीच क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौता

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ की सप्लाई सुरक्षित करने के लिए भारत-अमेरिका के बीच एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए।

मार्को रूबियो- यह समझौता रणनीतिक साझेदारी का बड़ा उदाहरण

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ क्रिटिकल मिनरल्स समझौता दोनों देशों की मजबूत रणनीतिक साझेदारी का बड़ा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत दोनों चाहते हैं कि महत्वपूर्ण खनिजों और सप्लाई चेन तक लंबे समय तक भरोसेमंद पहुंच बनी रहे, क्योंकि ये नई तकनीक और आधुनिक उद्योगों के लिए बेहद जरूरी हैं।

रूबियो ने कहा कि फरवरी में वॉशिंगटन में हुए क्रिटिकल मिनरल्स फोरम से इस सहयोग की शुरुआत हुई थी और अब यह समझौते तक पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका नहीं चाहते कि महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई किसी एक देश या एक स्रोत के नियंत्रण में रहे, क्योंकि इससे भविष्य में दबाव या संकट पैदा हो सकता है।

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने नई दिल्ली में मंगलवार को हुए क्वाड समिट में इंडो-पैसेफिक इलाके की चिंताओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए रणनीतिक भरोसे को मजबूत करना, समुद्री सुरक्षा तय करना जरूरी है।

जयशंकर बोले- भारत-यूएस समझौते का मकसद खनिजों की सप्लाई चेन मजबूत करना

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका ने क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ की सप्लाई सुरक्षित करने के लिए एक नया बाईलेट्रल फ्रेमवर्क तैयार किया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर क्वाड बैठक में भी चर्चा हुई और यह आज के समय की बहुत जरूरी पहल है। इस समझौते के तहत दोनों देश खनन, प्रोसेसिंग, रीसाइक्लिंग और निवेश जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे।

जयशंकर ने कहा कि इसका मकसद महत्वपूर्ण खनिजों की मजबूत और डाईवर्स सप्लाई चेन तैयार करना है, ताकि किसी एक सोर्स पर निर्भरता कम हो सके। उन्होंने कहा कि यह समझौता दिखाता है कि दुनिया की चुनौतियों के बीच भारत और अमेरिका का सहयोग लगातार और मजबूत हो रहा है।

फास्ट न्यूज

दावा- डीजल महंगा होने से 19 लाख ट्रक बंद

नई दिल्ली । डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्टर्स ने ट्रकों को खड़ा करना शुरू कर दिया है। हालात ये है कि देशभर में मौजूद 95 लाख ट्रकों में से करीब 20% यानी 19 लाख ट्रक सड़कों से हट गए हैं। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट में ये दावा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, डीजल की कमी और ऊंचे दामों की वजह से ट्रांसपोर्ट कंपनियों ने मालभाड़ा भी बढ़ा दिया है।

अमेरिका ने 'सेल्फ डिफेंस' स्ट्राइक में ईरान की मिसाइल लॉन्च साइट और नावों को बनाया निशाना

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर चल रहे बातचीत के बीच अमेरिकी सैनिकों ने दक्षिणी ईरान पर हमला किया है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी सेना दक्षिणी ईरान में आत्मरक्षा के नाम पर हमले की है। सेंटकॉम के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने फॉक्स न्यूज को बताया कि अमेरिका ने दक्षिणी ईरान में आत्मरक्षा के लिए हमले किए। ईरानी सेना द्वारा उत्पन्न खतरों से अपने सैनिकों की रक्षा के लिए अमेरिकी सेना ने आज दक्षिणी ईरान में आत्मरक्षा संबंधी हमले किए।

सीएनजी 2 तक महंगी, दिल्ली में कीमत 83.09 किलो

नई दिल्ली। ईरान जंग के बीच कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी CNG के दाम पिछले दो हफ्तों के भीतर चौथी बार बढ़ गए हैं। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL) ने आज मंगलवार 26 मई को CNG 2 प्रति किलोग्राम महंगी कर दी है। दिल्ली-NCR सहित कई शहरों में ये दाम बढ़ाए गए हैं। तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा कर दिया।

ट्रंप की उम्मीदों को पाक का झटका

रक्षा मंत्री बोले- अब्राहम समझौते से नहीं जुड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि वह इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए इस्लामाबाद के अब्राहम समझौते में शामिल होने के पक्ष में नहीं हैं। उनकी यह टिप्पणी तब आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ शांति वार्ता में शामिल देशों से अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने को कहा। यह समझौता इजरायल और अरब देशों के बीच कूटनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध स्थापित करने से जुड़ा है। सोमवार रात समा टीवी के एक टॉक शो में आसिफ ने कहा, व्यक्तिगत तौर पर मुझे नहीं लगता कि हमें किसी ऐसे समझौते में शामिल होना चाहिए जो हमारी बुनियादी विचारधाराओं से टकराता हो। वार्ताकारों में से यूएई और बहरीन पहले से ही इस समझौते के सदस्य हैं और ट्रंप को उम्मीद है कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र और जॉर्डन भी इस पर हस्ताक्षर करेंगे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने अपने देश के उस पुराने रुख के बारे में भी बात की जिसके तहत वह तब तक इजरायल को स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि 1967 से पहले की सीमाओं के आधार पर पूर्वी यरुशलम को राजधानी बनाकर एक फलस्तीनी राष्ट्र की स्थापना नहीं हो जाती।

कोई हताहत नहीं, सुनामी का खतरा टला भूकंप का केंद्र कलामा शहर के पास था

चिली में आया 6.9 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

बता दें कि चिली एक दक्षिणी अमेरिकी देश है। यह देश दुनिया के सबसे अधिक भूकंप संभावित देशों में से एक है। चिली के लोग 7.0 से कम तीव्रता वाले भूकंपों को लेकर ज्यादा चिंता नहीं करते हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

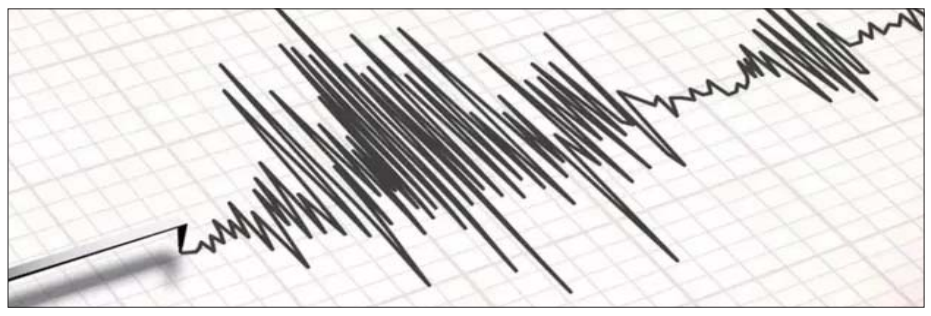

उत्तरी चिली में सोमवार को 6.9 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अटाकामा रेगिस्तान में कलामा शहर से 31 किलोमीटर दूर जमीन के भीतर लगभग 100 किमी की गहराई पर था।

हालांकि, भूकंप के तेज झटके के बावजूद फिलहाल किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है। चिली विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 5:52 बजे (2152 GMT) आया, जिसका केंद्र कैलामा शहर से 12 किलोमीटर (7.45 मील) दक्षिण में स्थित था।

वहीं, चिली की राष्ट्रीय आपदा निवारण एवं प्रतिक्रिया सेवा ने कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है और न ही किसी के घायल होने या गंभीर क्षति की कोई रिपोर्ट है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, यह भूकंप अटाकामा रेगिस्तान में कलामा शहर से लगभग 31 किलोमीटर दूर, लगभग 100 किलोमीटर (63 मील) की गहराई पर आया। चिली के भूभाग के भीतर तीन विवर्तनिक प्लेटें मिलती हैं- नाजका प्लेट, दक्षिण अमेरिकी प्लेट और अंटार्कटिक प्लेट। जिसके कारण यहां भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। 1960 में दक्षिणी शहर वाल्दिविया 9.5 तीव्रता का भूकंप आया था। इस दौरान भयंकर तबाही मची थी और 9,500 लोग मारे गए थे। 2010 में मध्य चिली में 8.8 तीव्रता का भूकंप आया था, इससे 520 से अधिक लोगों मौत हुई थी।

नेपाल के पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अंतरिम आदेश जारी करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी अर्चु राणा देउबा को मनी लान्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी से रोक दिया है।

जस्टिस महेश शर्मा पौडेल और नित्यानंद पांडे की पीठ ने दंपती द्वारा दायर याचिका की सुनवाई करते हुए काठमांडू जिला अदालत द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट पर सवाल उठाया।

काठमांडू जिला अदालत ने 6 अप्रैल को देउबा और उनकी पत्नी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, जो 26 फरवरी से चिकित्सा उपचार के लिए विदेश में थे। कोर्ट ने अधिकारियों को देउबा दंपती को गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने देखा कि देउबा और उनकी पत्नी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, जो हिमालयी राष्ट्र की पूर्व विदेश मंत्री भी हैं।

ईरानी मीडिया ने सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के नाम से एक संदेश जारी किया है

ईरान ने मार गिराया अमेरिका का एमक्यु-9 रीपर ड्रोन

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में संघर्ष एक बार फिर बढ़ गया है। एक तरफ ईरानी सुप्रीम लीडर अमेरिका को चेतावनी दे रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर IRGC ने अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। ईरानी मीडिया ने सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के नाम से एक संदेश जारी किया है। इसमें दावा किया गया है कि चल रहे संघर्ष के दौरान ईरान ने अमेरिका और इजरायल को जमीन, समुद्र और हवा तीनों रास्तों से मिसाइलों और ड्रोन के जरिए निशाना बनाया है। यह जानकारी ईरान इंटरनेशनल ने दी है।

बयान में 'अमेरिका का नाश हो' और 'इजरायल का नाश हो' जैसे नारों का जिक्र करते हुए कहा गया कि ये नारे पूरी इस्लामी दुनिया में, खासकर युवा पीढ़ी के बीच, लोगों को एकजुट करने वाले शक्तिशाली नारों के रूप में हमेशा गूंजते रहेंगे।

यह मैसेज ऐसे समय में सामने आया है जब युद्ध शुरू होने के बाद से मोजतबा की कोई तस्वीर या ऑडियो रिकॉर्डिंग सार्वजनिक रूप से जारी नहीं की गई है। ऐसे में इस संदेश को ईरान की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करने और क्षेत्रीय सहयोगियों को एकजुट करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

उधर ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (IRGC) ने दावा किया कि उसने अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है। IRGC के अनुसार, जब ड्रोन ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसा तो उसे दुश्मन के विमान के रूप में पहचाना गया और तुरंत खत्म कर दिया गया।

IRGC ने कहा कि अमेरिका के किसी भी युद्धविराम उल्लंघन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करना उसका अधिकार है।

खामेनेई की अमेरिका को चेतावनी

हज यात्रा के मौके पर जारी इस मैसेज में खामेनेई ने आस-पास के देशों को चेतावनी देते हुए कहा कि अब ये देश अमेरिकी सेना की मौजूदगी के लिए ढाल का काम नहीं करेंगे। बयान में साफ कहा गया, 'अब अमेरिका को इस क्षेत्र में अपने सैन्य अड्डे बनाने के लिए कोई भी सुरक्षित जगह नहीं मिलेगी।' सुप्रीम लीडर के इस संदेश में आगे मिडिल ईस्ट के देशों की एकजुटता पर जोर देते हुए कहा गया कि इन देशों के रणनीतिक हित और क्षमताएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। यह जुड़ाव क्षेत्र और पूरी दुनिया में 'नई व्यवस्था बनाने में मददगार साबित होगा।

भारत से तनाव के बीच 'ड्रैगन' से हाथ मिलाएगा बांग्लादेश

पहले विदेश दौरे पर चीन जाएंगे पीएम तारिक रहमान

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के जून के आखिर में चीन जाने की उम्मीद है। बीएनपी सरकार बनने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। शुरू में उनकी पहली विदेश यात्रा के लिए भूटान को चुना गया था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का न्योता भी अभी स्वीकारा नहीं है। नई दिल्ली में तारिक की यात्रा पर बारीकी से नजर रखे जाने की संभावना है, क्योंकि बांग्लादेश और चीन के बीच बढ़ते जुड़ाव की एक वजह ढाका की वह नई कोशिश मानी जा रही है जिसके तहत वह लंबे समय से अटके तीस्ता नदी बहाली प्रोजेक्ट के लिए चीन से फंडिंग हासिल करना चाहता है और यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब पानी के बंटवारे का मुद्दा भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक तनाव का नया केंद्र बन गया है। बांग्लादेश में चीन के राजदूत याओ वेन ने हाल ही में कहा कि तारिक की चीन की आगामी यात्रा दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करेगी, जो नई ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा था, चीन राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने, आर्थिक विकास और जन कल्याण गतिविधियों में बांग्लादेश को अपना पूरा समर्थन देता रहेगा। नदी परियोजना के अलावा चीन और बांग्लादेश ने उच्च-गुणवत्ता वाले 'बेल्ट एंड रोड' सहयोग को बढ़ावा देने और व्यापार, निवेश, उद्योग, डिजिटल अर्थव्यवस्था, जल संसाधन, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान तथा सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई है।

बांग्लादेश का कहना है कि भारत के साथ उसके संबंध काफी हद तक गंगा जल-बंटवारे समझौते को नए सिरे से लागू करने या उसे अंतिम रूप देने पर निर्भर करेंगे और इस बात पर जोर दिया कि कोई भी अल्पकालिक समझौता पर्याप्त नहीं होगा।

बयान : चीन बोला- यह हमारा आंतरिक मसला, तिब्बत मुद्दे में बाहरी दखल मंजूर नहीं

'भारत दलाई लामा उत्तराधिकार मामले से दूर रहे'

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने भारत को दलाई लामा के उत्तराधिकार के मुद्दे से दूर रहने की सलाह दी है। बीजिंग ने कहा कि दलाई लामा के पुनर्जन्म और उत्तराधिकारी तय करने की प्रक्रिया पूरी तरह चीन का आंतरिक मामला है और इसमें किसी बाहरी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि दलाई लामा का पुनर्जन्म सदियों पुराने धार्मिक रीति-रिवाजों और ऐतिहासिक परंपराओं के तहत होता है।

चीन का यह बयान ऐसे समय आया है जब 27 मई को भारत के धर्मशाला में सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (CTA) यानी निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रमुख पेनपा त्सेरिंग दूसरी बार शपथ लेने वाले हैं। दलाई लामा भी इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। चीनी दूतावास ने भारत को तिब्बत पर अपने पुराने रुख की याद भी दिलाई। बयान में कहा गया कि भारत को तिब्बती स्वतंत्रता से जुड़ी गतिविधियों के लिए मंच उपलब्ध नहीं कराना चाहिए। यह क्षेत्रीय स्थिरता और भारत-चीन संबंधों के लिए जरूरी है। पेनपा त्सेरिंग का जन्म कर्नाटक के बायलाकुप्पे में हुआ था, जहां बड़ी संख्या में तिब्बती शरणार्थी रहते हैं। उन्होंने चेन्नई के मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज से पढ़ाई की और लंबे समय से निर्वासित तिब्बती राजनीति में सक्रिय रहे हैं। चीन को आशंका है कि अगर उत्तराधिकारी तय करने की प्रक्रिया भारत में मौजूद निर्वासित तिब्बती नेतृत्व के हाथ में रही, तो वे बीजिंग की मंजूरी के बिना नए दलाई लामा की घोषणा कर सकते हैं। दलाई लामा की मृत्यु के बाद जब शोक का समय खत्म हो जाता है, तब नए दलाई लामा की खोज शुरू होती है। दलाई लामा मृत्यु से पहले अपने उत्तराधिकारी की कुछ निशानियां बता जाते हैं और कुछ निशानियों की पहचान बौद्ध भिक्षु करते हैं।

सीटीए प्रमुख पेनपा त्सेरिंग ने चीन की चिंता बढ़ाई

सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (CTA) के नए राजनीतिक प्रमुख पेनपा त्सेरिंग की जीत ने चीन की चिंता बढ़ा दी है। बीजिंग को डर है कि भारत में मौजूद निर्वासित तिब्बती नेतृत्व भविष्य में उसकी मंजूरी के बिना नए दलाई लामा की घोषणा कर सकता है।

पेनपा त्सेरिंग ने फरवरी में हुए चुनाव में 61% से ज्यादा वोट हासिल किए थे। नियमों के मुताबिक, 60% से अधिक वोट मिलने पर उम्मीदवार सीधे विजेता घोषित हो जाता है। इसलिए उन्हें दूसरे दौर के मतदान की जरूरत नहीं पड़ी।

चीन की असली चिंता सिर्फ पेनपा त्सेरिंग के चुनाव जीतने को लेकर नहीं है, बल्कि उनके प्रभाव और दलाई लामा के करीबी माने जाने को लेकर भी है।

गलीबाफ सातवीं बार ईरान संसद के स्पीकर बने

अमेरिका वार्ता में निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

मोहम्मद बाघेर गलीबाफ को सातवीं बार ईरान की संसद का स्पीकर चुना गया है। सरकारी समाचार एजेंसी आइएसएनए के अनुसार, सोमवार को हुए मतदान में उन्हें 271 में से 235 वोट मिले।

गलीबाफ की दोबारा ताजपोशी ऐसे समय हुई है, जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर बातचीत जारी है। उन्हें अमेरिका के साथ वार्ता में ईरान के प्रमुख रणनीतिक चेहरों में माना जाता है। गलीबाफ को ईरान के पूर्व सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी की ही तरह नेता माना जाता है। 64 वर्षीय गलीबाफ लंबे समय से ईरान की सत्ता ढांचे में प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। पूर्व रिवोल्यूशनरी गार्ड कमांडर और पायलट रह चुके गलीबाफ ने पश्चिम के साथ संवाद की वकालत पहले भी की थी, जिससे उन्हें कट्टरपंथी होते हुए भी व्यवहारिक नेता माना जाता रहा है।

- मोहम्मद बाघेर गलीबाफ सातवीं बार ईरान संसद स्पीकर चुने गए
- उन्हें 271 में से 235 वोट मिले, प्रभावशाली नेता हैं
- अमेरिका-ईरान वार्ता में महत्वपूर्ण रणनीतिक चेहरा माना जाता है

'भारत दलाई लामा उत्तराधिकार मामले से दूर रहे'

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96